तापमान
अधिकतम 34 .8 डिग्री
न्यूनतम 17 .4 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 7 अप्रैल 2024

11 महर्षि कश्यप का सृष्टि के सृजन में अहम योगदान

12 बच्चों ने पोस्टर बनाकर स्वस्थ रहने का दिया संदेश

खबर संक्षेप

अधिवक्ताओं ने तीसरे दिन भी रखा वर्क सस्पेंड

सोनीपत। खरखौदा में अधिवक्ता की पिटाई के मामले में पुलिस की तरफ से कार्रवाई नहीं होने पर बार एसोसिएशन ने तीसरे दिन भी वर्क सस्पेंड रखा। इस दौरान मामले में ठोस कार्रवाई की मांग की गई। उधर, वर्क सस्पेंड रहने से मुव्वकिलों को परेशानी हो रही है। वह बिना काम कराए लौट रहे हैं। सोनीपत जिला बार एसोसिएशन ने खरखौदा में अधिवक्ता गौरव शर्मा से पिटाई के मामले में पुलिस की तरफ से ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर वर्क सस्पेंड कर रखा है।

तीन दिन से लापता युवक का शव मिला

गोहाना। गांव खेड़ी दमकन से तीन दिन पहले लापता हुए युवक का शव शनिवार को गांव लाठ के पास माइनर में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल भिजवाया दिया। मृतक के स्वजन को सूचित किया गया। रविवार को पोस्टमार्टम करवाया जाएगा, जिसके बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो पाएंगे।

गांव खेड़ी दमकन के सतीश ने पुलिस को शिकायत दी थी कि तीन अप्रैल को उसका बेटा अमित (22) बिना बताए घर से कहीं चला गया है। अमित का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। पुलिस ने शिकायत दर्ज करके अमित की तलाश शुरू कर दी थी। शनिवार को गांव लाठ के पास माइनर में युवक का शव मिला। सदर थाना के प्रभारी महिपाल ने बताया कि मृतक की शिनाख्त गांव खेड़ी दमकन के अमित के रूप में हुई। पोस्टमार्टम होने पर ही मौत के कारण स्पष्ट हो पाएंगे।

युवक की जेब से मोबाइल चोरी

सोनीपत। मुरथल रोड स्थित पीजी में रहने वाले युवक की जेब से मोबाइल चोरी कर लिया गया। उत्तर प्रदेश के जिला जेवर के गांव कालूपुर निवासी बंटी ने पुलिस को बताया कि मुरथल रोड स्थित पीजी में रहते हैं। वह किसी काम से मुरथल अड्डा की ओर गए थे। वापस लौटते समय मोबाइल चोरी हो गया।

रिश्ते से नाखुश युवती ने छोड़ा घर

सोनीपत। क्षेत्र के गांव की रहने वाली एक युवती शादी से दो महीने घर छोड़ कर चली गई। परिजनों का कहना है कि वह रिश्ते से खुश नहीं थी। परिवार की महिला ने बताया कि 19 वर्षीय बेटी का रिश्ता तय कर दिया था। जिसके बाद वह घर से चली गई। उन्हें शक है कि किसी ने उसे छिपाकर रख लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीबीआई ने दिल्ली में किया भंडाफोड़ : आरोपी के घर से कई दस्तावेज बरामद

खरखौदा से जुड़े बच्चों की ऑनलाइन तस्करी के तार, वार्ड 12 से नीरज काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा (सोनीपत)

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने ऑनलाइन बच्चों को बेचने के मामले का भंडाफोड़ किया तो उसके तार खरखौदा से भी जुड़ गए है। सीबीआई की टीम ने मामले में खरखौदा के वार्ड-12 के 25 वर्षीय नीरज को गिरफ्तार किया है। टीम ने युवक का रिकॉर्ड भी खंगाला है। टीम ने खरखौदा स्थित युवक के घर आकर ना केवल उसके बैंक खाते की डिटेल ली है बल्कि उसके दस्तावेजों को भी टीम ने अपने कब्जे में लिया है।

सीबीआई ने शुक्रवार को पकड़ा था गिरोह का एक सदस्य

शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बच्चों की खरीद-फरोख्त करने वाले एक गिरोह के सदस्यों को पकड़ा था। जिसमें दिल्ली के साथ ही हरियाणा में भी छापा डाला गया। टीम ने

तीन नवजात बच्चों को बरामद किया था। कुछ महिलाओं के साथ ही अन्य लोगों को भी पकड़ा था। वह बच्चों के माता पिता या फिर सरोगेट मां से बच्चों को खरीदते थे

निःसंतान को करते थे टारगेट

माता-पिता से बच्चों को खरीदने के बाद गिरोह के सदस्य निःसतान दंपत्तियों की पहचान कर उनसे डील करते थे। इस मामले

बैंक खातों की डिटेल ले गई टीम

दिल्ली से सीबीआई की गिरफ्त में आए ऑनलाइन बच्चों की तस्करी के तार सोनीपत के खरखौदा से भी जुड़ गए हैं। शनिवार को सीबीआई की टीम खरखौदा पहुंची। जहां उसने वार्ड 12 निवासी 23 वर्षीय नीरज को गिरफ्तार किया। सीबीआई बैंक खातों की डिटेल व घर पर मिले दस्तावेज भी अपने साथ ले गई।

के तार उस दौरान खरखौदा से जुड़ गए जब सीबीआई की एक जांच टीम खरखौदा पहुंची और शहर के वार्ड 12 के निवासी नीरज के घर दस्तक दी। टीम की तरफ से युवक के रिकॉर्ड को खंगाला है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि मामले में जिस युवक नीरज का नाम है वह कोई काम धंधा नहीं करता था। अक्सर बाइक पर घूमता रहता था। हालांकि लोगों ने ज्यादा जानकारी नहीं दी। स्थानीय पुलिस ने इस संबंध में सीबीआई की तरफ से कोई मदद नहीं मांगने की बात कही है। सीबीआई ने फेसबुक व व्हाट्सअप चैनल पर विज्ञापनों के माध्यम से निःसंतान दंपत्तियों को बच्चे बेचने वाले गिरोह के सात सदस्यों का भंडाफोड़ किया था। सीबीआई ने दो दिन व 15 दिन के दो शिशुओं को भी बाल तस्करी से बचाया था तथा हरियाणा दिल्ली में सात जगह सर्च अभियान चलाया था। बरामद किए गए दो व 15 दिन के शिशुओं को 4 से 6 लाख रुपये में बेचने की योजना थी। सोनीपत के नीरज व दिल्ली पश्चिमी विहार के इंदु पंवार गिरोह चलाते थे। पटेल नगर के असलम व पूजा कश्यप, कविता, रितु को बच्चों की देखभाल का जिम्मा दिया हुआ था। ग्राहक अंजलि लेकर आती थी।

बाइक सवार पर पुलिसकर्मी से हाथापाई का आरोप, केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मुरथल रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रही पुलिस ने एक बाइक सवार पर हंगामा करने व वर्दी फाड़ने की आरोप लगाया है। पुलिस ने उसकी बाइक को इम्पाउंड करते हुए 14 हजार का चालान किया है। एएसआई अनिल ने बताया कि वह एसपीओ रमेश और होमगार्ड जवान रवि के साथ मुरथल रोड पर वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान बिना हेलमेट आए बाइक सवार को रोक लिया। बाइक की प्लेट से नंबर भी गायब थे।

कागजात मांगने पर उसने बहस शुरू कर दी। उसके बाद वह हंगामा करने लगा। पुलिस ने उसकी बाइक को इंपाउंड कर चालान कर दिया है। एएसआई अनिल का आरोप है कि

वर्दी फाड़ने का आरोप

- मुरथल रोड पर वाहनों की चैकिंग के दौरान रुकवाया था युवक
- बाइक इंपाउंड कर 14 हजार का चालान किया, भीड़ का फायदा उठाकर भाग निकला युवक

युवक ने पुलिस से हाथापाई की। पुलिसकर्मी छोड़ने लगे तो वह धक्का-मुक्की करने लगा और वर्दी पर हाथ डाल दिया।

बाद में भीड़ का फायदा उठाकर निकल गया। पुलिस की जांच में पता लगा कि बाइक असावरपुर के सुनील के नाम है। उसके खिलाफ सिविल लाइन थाना पुलिस ने सरकारी काम में बाधा पहुंचाने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चिकन प्वाइंट पर चल रहा था अहाता मुख्यमंत्री उड़नदस्ते ने मारा छापा

सोनीपत। हुडा पार्क के पास स्थित चिकन प्वाइंट में छापा डालकर मुख्यमंत्री उड़नदस्ता व आबकारी विभाग की टीम ने अवैध अहाता पर छापा डाला है। टीम को वहां सात लोग शराब व बीयर पीते मिले हैं। आबकारी विभाग के निरीक्षक ने संचालक के खिलाफ सेक्टर-27 थाना में शिकायत देकर आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है।

आबकारी विभाग के निरीक्षक जय भगवान ने बताया कि मुख्यमंत्री उड़नदता की टीम को सूचना मिली थी कि हुडा पार्क के पास बनीज चिकन प्वाइंट में अवैध अहाता चलाया जा रहा है। जिस पर मुख्यमंत्री उड़नदस्ता के निरीक्षक

- हुडा पार्क के पास स्थित बनीज चिकन प्वाइंट पर चल रहा था

सुनील कुमार के साथ आबकारी की टीम मौके पर पहुंची। वहां पर टीम को दिल्ली कैंप का राजकुमार मिला। उसने चिकन प्वाइंट के परिसर में राजकुमार ने दुकान के सामने खुले में पांच मेज रखकर 22 कुर्सी डाल रखी थी। दो मेज पर सात लोग शराब व बीयर पीते मिले। राजकुमार ने बताया कि उसने दुकान फरीदाबाद के राजीव कुमार से एक साल पहले 10 हजार रुपये महीना किराए पर ली थी। वह दुकान पर चिकन, पनीर, चाप, पानी सोढा आदि बेचता है। लोग ठेके से शराब लाकर यहां बैठकर पी लेते हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

हाइवे पर दूसरी लेन में चलने वाले चालकों की अब खैर नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नेशनल हाईवे-44 समेत अन्य हाईवे पर अपनी लेन छोड़कर दूसरी लेन में चलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने अभियान शुरू कर दिया है। अभियान के तहत ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ अब पुलिस ने मुकद्दमे दर्ज करने शुरू कर दिए हैं। शुक्रवार की रात पुलिस ने अभियान की शुरूआत करते हुए 10 वाहन चालकों को नामजद करते हुए केस दर्ज किया है। इन वाहन चालकों को गिरफ्तार भी किया गया, हालांकि पुलिस ने जमानत पर इन्हें रिहा भी कर दिया। लेकिन एक बात गौर करने लायक है कि पहले ऐसे वाहन चालकों के

पुलिस की गिरफ्त में आरोपित चालक।

केवल चालान काटे जाते थे, लेकिन अब इन वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस अब हाईवे पर गलत तरीके से लेन बदलने वालों पर सख्त कार्रवाई करेगी। डीसीपी ट्रैफिक मनबीर सिंह ने बताया कि गलत लेन में चलने से अक्सर हादसे होते हैं। वाहन चालक को अपनी लेन में चलना चाहिए।

रातभर चलाया अभियान

पुलिस टीमों ने रातभर सड़क पर रहकर 10 वाहन चालकों को पकड़ा है। जिसमें गन्नौर थाना पुलिस ने गढ़ी कलां फ्लाईओवर के पास से कैंटर चालक मूलरूप से जींद के गांव एंचरा फिलहाल पानीपत की गोपाल कॉलोनी के अनिल को पकड़ा। थाना सदर गोहाना पुलिस ने कैंटर चालक उत्तर प्रदेश के रायबरेली के बावन बुजुर्ग बल्ला महाराजगंज निवासी रामू मौर्य को लेन तोड़ने के मामले में गिरफ्तार किया। वहीं बड़ी क्षेत्र से मुरथल ट्रैफिक थाना पुलिस ने ककरोई के संदीप को पकड़ा। उधर थाना कुंडली पुलिस ने केएमपी पर बिंदरौली के पास से कैंटर चालक यूपी के जिला हरदोई के बलदेवदुरवा निवासी विपिन व केएमपी पर ही पिपली से आगे ट्रक चालक यूपी के जिला मुरादाबाद के गांव मुंडा पांडे निवासी इंद्रपाल को गिरफ्तार किया। मुरथल थाना पुलिस ने लेन तोड़ने के आरोप में झिलमिल ढाबे के पास से ट्रक चालक पंजाब के जिला होशियारपुर के गांव गढ़ी मांछोबाल निवासी चरण सिंह, ट्रक चालक विरेंद्र कुमार सहित अन्य को पकड़ा।

सड़क पर वाहन खड़ा करने पर तीन के खिलाफ केस दर्ज

खरखौदा। पुलिस ने सडक पर वाहन खड़ा कर जाम का कारण बनने वाले तीन वाहन चालकों पर भी मुकदमा दर्ज किया है। इसमें फरमाणा व सैदपुर गांव में अतिक्रमण कर सड़क पर जाम का कारण बन रहे दो लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं। एक आरोपी फरमाणा गांव का रहने वाला अमित है। जबकि दूसरा आरोपी सौहनदापुर, पानीपत का रहने वाला ट्रक चालक राजेंद्र है। हेड कांस्टेबल देवेंद्र फरमाना गांव में गश्त पर थे कि उन्हें मुख्य चौक पर जाम लगा हुआ दिखाई दिया, जिसके कारण काफी वाहन फंसे हुए थे। हेड कांस्टेबल ने आगे जाकर देखा तो एक युवक सामान रखकर सड़क अवरूद्ध किए हुए था। पुलिस ने उसके पास से 10 कैरेट जब्त की और आरोपी अमित के खिलाफ मामाला दर्ज कर लिया। दूसरे मामले में हेड कांस्टेबल सुदीप का कहना है कि वह सैदपुर चौक पर वाहनों का जाम लगा हुआ था। जब वह जाम को खुलवाने के लिए

आगे पहुंचे तो एक ट्रक चालक अपने ट्रक को बीच रास्ते में खड़ा करके कहीं पर गया हुआ था। जो कुछ देर बाद वापस लौटा। चालक से जब उसका नाम पता पूछा तो उसने अपनी पहचान सौहनदापुर, पानीपत के रहने वाले राजेंद्र के रूप में दी। पुलिस ने उसके खिलाफ भी सड़क मार्ग अवरुद्ध करने का मामला दर्ज किया है। इसके अलावा भी सेक्टर-27 थाना पुलिस ने बहालगढ़ रोड ट्रक यूनियन के सामने कैंटर खड़ा कर जाम लगाने पर मूलरूप से उत्तर प्रदेश के जिला कासगंज के गांव धौड़पुर फिलहाल दिल्ली के स्वरूप नगर निवासी रामू यादव पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

सर्वार्थ और अमृत सिद्धि योग के साथ घोड़े पर सवार होकर आ रही दुर्गा मां

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

9 अप्रैल से शुरू हो रहे चैत्र नवरात्र इस बार सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग बना हुआ है। इन दोनों योग के अलावा चैत्र नवरात्र के पहले दिन अश्विनी नक्षत्र भी साथ होगा।

- घोड़े की सवारी होना नहीं है शुभ संकेत, देश-विदेश में हो सकते हैं कई गंभीर परिणाम

जिसकी वजह से मां दुर्गा का अक्षय फल मिलेगा। दूसरी ओर मां दुर्गा को इस बार घोड़े पर सवार होकर आता हुआ बताया गया है, जोकि शुभ संकेत नहीं है। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि मां दुर्गा जब भी घोड़े पर सवार होकर आती है तो देश-दुनिया को इसके गंभीर परिणाम देखने को मिलते हैं।

चिटाने वाली माता मंदिर के पुजारी पंडित अमित शौनक ने बताया कि 9 अप्रैल 2024 से शुरू हो रहे चैत्र नवरात्र 17 अप्रैल तक रहेंगे। पावन माने जाने वाले नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। इस बार नवरात्रि में मां दुर्गा के आगमन की सवारी अनहोनी की ओर इशारा कर रही है। कहा जाता है कि घोड़े पर सवार होकर माता रानी का आगमन शुभ नहीं माना

श्रद्धा और विधि विधान से की गई पूजा देगी शुभ फल

ये है मुहूर्त

चैत्र नवरात्र प्रारंभ : 9 अप्रैल को
कलश स्थापना का मुहूर्त : 9 अप्रैल को सुबह 6:02 बजे से सुबह 10:16 बजे तक
अभिजित मुहूर्त : 9 अप्रैल को सुबह 11:57 बजे से दोपहर 12:48 बजे तक
सर्वार्थ सिद्धि व अमृत सिद्धि योग का निर्माण : 9 अप्रैल सुबह 7:32 बजे से शुरू होकर 10 अप्रैल को सुबह 5:06 बजे तक
अश्विनी नक्षत्र : सुबह 7:33 बजे से शुरू

नवरात्र को लेकर की जा रही है तैयारियां

नवरात्र को लेकर मंदिरों में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पंडित अमित शौनक ने बताया कि चिटाने वाली माता की महा आरती के लिए जोत तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि नवरात्र में छठ की कढ़ाई 14 अप्रैल को होगी। जबकि सप्तमी का मेला 15 अप्रैल को रामलीला मैदान कामी रोड पर भरेगा। जिसके लिए तैयारी शुरू हो चुकी हैं। सप्तमी पर माता की विशाल आरती के लिए विशेष जोत तैयार की जा रही है। यह जोत सरकंडो पर रुई व कलावा लगाकर बनाई जाती है।

जाता। इससे देश-दुनिया में कई गंभीर परिणाम देखने को मिलते हैं, जैसे समाज में अस्थिरता, तनाव, अचानक बड़ी दुर्घटना, भूकंप, चक्रवात, सत्ता परिवर्तन व युद्ध की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है।

घोड़े पर माता का आगमन शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे में इस नवरात्रि में माता की पूजा क्षमा प्रार्थना के साथ करें। पूरे दिन विधिवत पूजा करने के बाद क्षमा प्रार्थना करने से माता प्रसन्न होंगी और शुभ फल देंगी। ऐसे में नवरात्र के नौ दिनों तक सच्ची श्रद्धा व विधि विधान से की गई पूजा आपको शुभ फल देंगी।

G3 SCHOOL
GYAN GANGA GLOBAL
GYAN GANGA GLOBAL SCHOOL
Senior Secondary Co-Ed. English Medium School
(Affiliated to CBSE, New Delhi)
Gyan Ganga Montessori & Model School
ADMISSIONS OPEN 2024-25
Pre-Nursery to Class IX & XI
(Medical, Non-Medical, Commerce, Humanities)
Admissions are based on written test followed by an interaction session.
Admission is subject to availability of seats.
Prospectus can be collected from school reception between 9:00 am to 4:00 pm (Monday - Saturday)
NO ADMISSION FEES
FOR PPI, PPII & PPIII
NO ANNUAL CHARGES
G3 SCHOOL OFFERS
AC Pre Primary Wing
GPS & CCTV Enabled Transport
CCTV Surveillance & Access Control
Smart Class Rooms
RO Drinking Water
Transport Available
ADMISSIONS OPEN 2024-25
Empowering Excellence: Specialized Programs Enriching Student Potential
Abacus Program
Early math enrichment starting from class 1st onwards, fostering strong foundations through engaging activities and personalized instruction for academic success
Super 30 Club
Exclusive initiative designed for the brightest minds, featuring challenging coursework, fostering a competitive spirit, and providing advanced resources for unparalleled academic success.
Entrance Cracking Skill Development Program
Emphasizing logic, problem-solving, and formal MAT subjects, our program nurtures a strong academic foundation from class 1st itself, promoting a lifelong love for learning.
Effective English Communication Skill Program
Build success with interactive sessions. Beyond language classes, practical exercises enhance fluency and confidence, vital for effective English communication in today's globalized world.
Career Counseling Sessions
Empower students with informed decisions about their future. Starting from class 9th, our program offers insights from industry speakers, personalized guidance, and career path exploration.
Special Preparation for NEET, JEE & CUET
Comprehensive programs led by experts for success in competitive exams, ensuring our students excel with tailored curriculum and focused preparation.
G3 SCHOOL CAMPUS
Azad Chowk, Gohana Bypass, Purkhas Road, Jahari, Sonepat (Hr.)
Contact : +91 8607778811 / 22
G2 SCHOOL CAMPUS
New Nandwani Nagar, Sonepat (Hr.)
M: 8607068811, 9215044091
www.g3school.com /g3school /g3school /g3school

पैसे निवेश करने के कई तरीके, बाजार में उतरने पहले एक बार कर लें रिसर्च

■ म्यूचुअल फंड विविध विकल्प प्रदान करते हैं ■ एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक व सुरक्षित
■ रियल एस्टेट सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प ■ बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए एनपीएस भी बेहतर

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आजकल, बहुत से लोग पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों की तलाश करते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग अपनी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने वाले सही निवेश साधन को चुनने में भ्रमित होते हैं। हालांकि, निवेश पैसा या निवेश का निर्णय लेना इतना आसान नहीं है, क्योंकि निवेशक सिर्फ एक साधन में कई उद्देश्यों की तलाश करते हैं। इसलिए एक सवाल उठता है- कहां निवेश करें? वैसे, पैसा निवेश करने के लिए विविध विकल्प हैं। रिपोर्ट में हम आपको कुछ विकल्पों के बारे में जानकारी देंगे जो आपकी निवेश जरूरतों को पूरा करने अहम भूमिका निभा सकते हैं।

म्युचुअल फंड

म्यूचुअल फंड्स पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है। शब्द के अनुसार, एक म्युचुअल फंड धन का एक सामूहिक पूल है, जिसका उद्देश्य प्रतिभूतियों की खरीद (फंड के माध्यम से) करना है। यह निवेशकों को एक मार्ग प्रदान करता है। पैसे बचाएं और समय के साथ रिटर्न कमाते हैं। म्यूचुअल फंड विविध निवेश विकल्प प्रदान करते हैं जैसे बांड, डेट, इक्विटीज, आदि ये निवेशकों को अलग खरीदारी और व्यापार करने की आवश्यकता के बिना भी निवेश का अच्छा विकल्प प्रदान करते हैं। म्यूचुअल फंड में कई प्रकार से निवेश किया जा सकता है। पैसा निवेश करने की योजना बनाते समय उस पर विचार कर सकते हैं। इसमें निवेशक कम से कम राशि के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं। म्युचुअल फंड में 500 रुपये से भी निवेश की शुरूआत की जा सकती है। भारत में 44 म्यूचुअल फंड कंपनियां हैं। जिन्हें संपत्ति प्रबंधन कंपनियां एएमसी कहा जाता है। ये म्यूचुअल फंड योजनाएं प्रदान करती हैं और इन कंपनियों द्वारा ही नियंत्रित किया जाता है।

सावधि जमा (एफडी)

सावधि जमा यानी एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक है। हर बैंक इसकी सेवाएं प्रदान करता है। एफडी आपको आकर्षक रिटर्न की ओर ले जाती है। एफडी एक निश्चित परिपक्वता अवधि के साथ आती है। चूंकि इसकी परिपक्वता अवधि 15 दिनों से लेकर पांच वर्ष तक होती है, इसलिए इसे अल्पकालिक और दीर्घकालिक निवेश दोनों के लिए माना जा सकता है। इसमें निवेशक औसतन 7 से 9 फीसदी प्रति वर्ष की ब्याज दर से रिटर्न कमा सकते हैं। यदि आप एक सुरक्षित निवेश चाहते हैं तो एफडी पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। इसमें रिटर्न भले ही कम हो लेकिन पैसा सुरक्षित रहता है।

रियल एस्टेट

सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प है रियल एस्टेट रियल एस्टेट। मूल रूप से, अचल संपत्ति निवेश करती है और स्वामित्व, भूमि या संपत्ति (संपत्ति) की खरीद से संबंधित है। किसी भी प्रकार की संपत्ति में निवेश करने से पहले, पहले गहराई से विवरण प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, आपको संपत्ति/भूमि के स्थान पर विचार करना चाहिए, थोक संपत्तियों की तलाश करनी चाहिए आदि। इसमें निवेश करने के लिए एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन यह उच्च रिटर्न निवेश के साथ कम जोखिम वाला है। हालांकि, अगर आप पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक की तलाश कर रहे हैं तो रियल एस्टेट सोचने लायक है।

सोना

पैसा निवेश करने के लिए सोना हमेशा सबसे अच्छे तरीकों में से एक रहा है। यह सबका पसंदीदा निवेश माना जाता है। इसमें सालान औसत 7 से 12 फीसदी तक रिटर्न मिल सकता है। इसके अलावा, भारतीयों का पारंपरिक रूप से सोन के के प्रति लगाव भी रहा है। लोगा सोने को हमेशा एक संपत्ति के रूप में देखते हैं, जो समय के साथ धन जमा करता है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)

बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए आप राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) सबसे बेहतर निवेश विकल्पों में से एक मान जाता है। यह एक सेवानिवृत्ति बचत योजना है जहां नियोक्ता और कर्मचारी दोनों ही संपत्ति के निर्माण में योगदान करते हैं, जो सेवानिवृत्ति के समय संबंधित कर्मचारी पर बकाया है। एनपीएस भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है और इस योजना को पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। हालांकि, एनपीएस को पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है, क्योंकि इसका टैक्स सेविंग निवेश। अगर निवेशक सालाना 1.5 लाख तक निवेश करते हैं तो वे टैक्स बचत कर सकते हैं। टैक्स कटौती की धारा 80सी के तहत इसमें टैक्स लाभ मिलता है। 18 से 60 वर्ष की आयु वर्ग का हर भारतीय नागरिक अस योजना में निवेश कर सकता है। अगर आपको अचानक नुकसान होने का डर है, या आप अपने परिवार के जीवन की रक्षा करना चाहते हैं, तो बीमा पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। बीमा आपको और आपके परिवार को आजीवन सुरक्षा प्रदान करता है। लोग जीवन में अनिश्चित समय के दौरान बीमा को रीढ़ की हड्डी के रूप में चुनते हैं।

इस साल बेहतर हो सकते हैं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड

उम्मीद
बिजनेस डेस्क

- नए फाइनेंशियल इयर में सधे कदमों से करें निवेश की तैयारी
- निवेशकों लिए बेहतर हो सकते हैं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड
- निवेशक फीचर्स और रिटर्न देखकर ही करें निवेश का फैसला

नया फाइनेंशियल ईयर शुरू हो गया है। ऐसे में आपके लिए अपने पोर्टफोलियो का आकलन करने का समय आ गया है। मौजूदा समय में बाजार अपने आलटाइम हाई के करीब हैं और बीते एक साल की बात करें तो लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप हर सेगमेंट में जोरदार रैली देखने को मिली है। लार्जकैप इंडेक्स निफ्टी करीब 28 फीसदी तो मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 60 फीसदी से ज्यादा मजबूत हुए हैं। ऐसे में आगे इनमें बिकवाली संभव है। ऐसे में नए फाइनेंशियल की शुरूआत में निवेशकों के लिए मल्टी एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी बेहतर हो सकती है, जिसके लिए मल्टी एसेट अलोकेशन फंड बेहतर विकल्प हैं। एक्सपर्ट भी कहते हैं कि जब भी बाजार को लेकर आशंका हो अपना पार्टफोलियो डाइवर्सिफाइड करें।

क्या है एसेट अलोकेशन

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड निवेशकों को एक एकल निवेश प्रदान करते हैं जो ऋण, इक्विटी और एक अतिरिक्त परिसंपत्ति वर्ग जैसे रियल एस्टेट, सोना इत्यादि को जोड़ता है। इसके अलावा, ये योजनाएं विभिन्न परिसंपत्ति आवंटन एल्गोरिदम को नियोजित करती हैं जो बदलती बाजार स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए डिजाइन की गई हैं। इसका मतलब है डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो। यानी पोर्टफोलियो में अलग अलग एसेट क्लास को कुछ न कुछ हिस्सा देना। किस एसेट क्लास का कितना हिस्सा हो, यह निवेशक के रिस्क लेने और फाइनेंशियल गोल के अनुसार होना चाहिए। अलग में अलग अलग एसेट क्लास अलग अलग साइकिल में मार्केट लीडर बन सकते हैं यानी उनका प्रदर्शन अलग अलग साइकिल में अलग अलग हो सकता है। ऐसे में अगर कभी डेट में गिरावट आती है तो इक्विटी उसे बैलेंस कर सकता है। वहीं इक्विटी या डेट में गिरावट को गोल्ड या कमोडिटी से बैलेंस किया जा सकता है।

ये फंड हैं बेस्ट विकल्प

साल 2024 जहां शेयर बाजार के लिए उतार चढ़ाव भरा साबित हो रहा है, मल्टी एसेट अलोकेशन म्यूचुअल फंड फोकस में हैं। इस साल अब तक मल्टी एसेट अलोकेशन फंड का एवरेज रिटर्न सेंसेक्स और निफ्टी इंडेक्स से ज्यादा रहा है। वहीं, हाइब्रिड कैटेगरीज में इस कैटेगरी का रिटर्न इस साल अब तक सबसे ज्यादा रहा है। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड निवेशकों को सिंगल इन्वेस्टमेंट के जरिए डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं। इनका निवेश इक्विटी, डेट, गोल्ड के अलावा रियल एस्टेट जैसे एसेट क्लास में होता है। इनकी यही खासियत निवेशकों को बेस्ट रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न प्रदान करने की क्षमता रखती है। इन फंडों का उद्देश्य कई एसेट क्लास में मल्टी-एसेट अलोकेशन के माध्यम से निवेश पोर्टफोलियो को बढ़ाना व डाइवर्सिफिकेशन लाना है।

किसे करना चाहिए निवेश

मल्टी-एसेट एलोकेशन म्यूचुअल फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प है, जिनकी जोखिम लेने की क्षमता कम है, लेकिन वे अपने निवेश पर स्टेबल रिटर्न चाहते हैं। वहीं, जो निवेशक अपने पोर्टफोलियो में अलग अलग प्रमुख एसेट क्लास में डाइवर्सिफिकेशन चाहते हैं, उनके लिए भी विकल्प बेहतर हैं।

1 साल से 10 साल में रिटर्न

मल्टी एसेट अलोकेशन फंड की बात करें तो इस कैटेगरी ने 1 साल, 3 साल, 5 साल और 10 साल में लगातार हाई रिटर्न दिया है। इन फंडों का एवरेज रिटर्न 1 साल में 26.43 फीसदी, 3 साल में 15.04 फीसदी, 5 साल में 13.81 फीसदी और 10 साल में 10.72 फीसदी रहा है। साल 2024 में अबतक इनका एवरेज रिटर्न करीब 4.23 फीसदी है, जो सेंसेक्स व निफ्टी की तुलना में ज्यादा है।

5 साल में टॉप स्कीम

- क्वांट मल्टी एसेट अलोकेशन फंडः 28.54%
- कोटक मल्टी एसेट अलोकेशन फंड एफओएफ : 20.49%
- आईसीआईसीआई प्रू मल्टी एसेट अलोकेशन फंडः 19.63%
- एबीएसएल फाइनेंशियल प्लानिंग एफओएफ एग्रेसिवः 15.78%
- एचडीएफसी मल्टी एसेट अलोकेशन फंडः 15%

बिटकॉइन, सोना, शेयर या बॉन्ड....किसमें करें निवेश

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार, सोना, बिटकॉइन समेत सभी एसेट्स अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। बिटकॉइन ने पिछले सप्ताह नया रिकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में निवेश कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। बाजार में हमेश रिस्क चलता रहता है। इसलिए कोई भी कदम उठाने से पहले एक बार अपने लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देख लें तो बेहतर होगा।

- इस समय सभी एसेट्स ऑल-टाइम हाई के करीब कर रहे हैं ट्रेड
- निवेशक हो रहे कनफ्यूज क्या करें, क्या न करें, क्या रहेगा बढ़िया
- सेंसेक्स और निफ्टी50 अपने उच्चतम स्तर के करीब पहुंचे
- ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स भी बेहतर
- सोना भी ऑल-टाइम हाई पर, पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी निवेश करें
- बिटकॉइन सबसे रिस्की, लेकिन दे रहा सबसे ज्यादा रिटर्न

निवेशकों में आजकल कनफ्यूजन की स्थिति है। इसकी वजह यह है कि निवेश के सभी विकल्पों में तेजी दिख रही है। घरेलू शेयर बाजार अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। सोना भी अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। क्रिप्टो मार्केट में भी बहार आई हुई है। बिटकॉइन ने पिछले हफ्ते नया रेकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में इन्वेस्टर्स कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। हालांकि कहा जाता है कि म्युचुअल फंड पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। लेकिन इस समय निवेश के सभी विकल्प गुलजार हैं। ऐसे में सभी ज्यादा से ज्यादा लाभ लेना चाहते हैं और निवेश के लिए तमाम जतन कर रहे हैं। इ रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि जब हर तरह का बाजार बुलंदी पर हो तो क्या करना चाहिया या निवेश का कौना सा तरीका बेस्ट हो सकता है।

डेट

मीडियम-टर्म गोल के लिए डेट बेस्ट एसेट क्लास है। ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स पर ज्यादा रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इंटरेस्ट रेट में कमी आती है तो बॉन्ड की कीमतें बढ़ती हैं। इसमें ज्यादा जोखिम भी नहीं रहती है। जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो का 40 परसेंट डेट में निवेश कर सकते हैं। इसी तरह 40 फीसदी इक्विटी में और बाकी 20 फीसदी दूसरे एसेट क्लास में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड

सोना भी ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। देश में इसका भाव 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है जो इसका नया रेकॉर्ड है। जानकारों की मानें को निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी सोने में निवेश करना चाहिए। पिछले 20 साल में गोल्ड ने 11 फीसदी से अधिक सालाना रिटर्न दिया है जबकि इस दौरान चांदी की सालाना रफ्तार नौ फीसदी रही है। हाल के वर्षों में चांदी ने सोने से बेहतर रिटर्न दिया है।

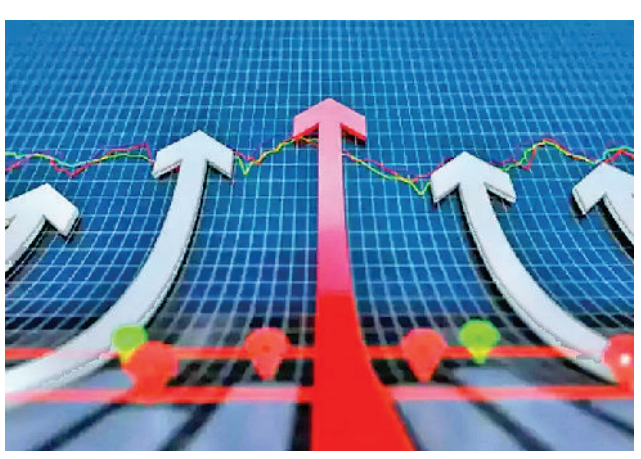

इक्विटी

प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी-50 अपने उच्चतम स्तर के करीब ट्रेड कर रहे हैं। जानकारों की मानें तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में सबसे ज्यादा इक्विटी में निवेश करना चाहिए। इसमें भी एसआईपी सबसे बेहतर विकल्प है। निवेशक के पोर्टफोलियो में 20 परसेंट पैसिव लार्ज-कैप फंड, 50 परसेंट फ्लेक्सी-कैप फंड और 30 परसेंट मिड-कैप फंड होना चाहिए। इससे आपके पोर्टफोलियो का डाइवर्सिफिकेशन होगा और जोखिम में संतुलन रहेगा।

बिटकॉइन

क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत में हाल के दिनों में भारी तेजी देखने को मिली है। दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत पिछले हफ्ते ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। भारत में सरकार ने क्रिप्टोकरेंसीज को रेगुलेट नहीं किया है। ऐसे में जानकारों का कहना है कि क्रिप्टो में अपने पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी से ज्यादा निवेश नहीं करना चाहिए। हालांकि हाल के वर्षों में बिटकॉइन ने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है।

कितना कैश होना चाहिए

जानकारों का कहना है कि सारा पैसा निवेश करना सही नहीं है। आपात स्थिति के लिए आपके सेविंग अकाउंट में कम से कम छह महीने की जरूरत के लिए कैश होना चाहिए। शेयर मार्केट में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में गिरावट की आशंका है। निवेशक को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने की जरूरत है। आदर्श स्थिति देखें तो निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 50 फीसदी इक्विटी में, 20 परसेंट डेट में, 10 फीसदी गोल्ड में, 10 फीसदी कैश में, 5 फीसदी सिल्वर में और 5 फीसदी क्रिप्टो में निवेश करना चाहिए।

सुझाव कई स्कीमों ने 41 से 68% तक का सालाना रिटर्न दिया, एक साल में रिटर्न में स्मॉलकैप का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंडों से बेहतर

स्मॉलकैप फंड निवेशकों को बना रहे धनवान, लेकिन सावधानी रखें

औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा, निवेशकों ने करोड़ों रुपये कमाए

एक साल में रिटर्न देने के मामले में स्मॉलकैप फंड का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंड कैटेगरी से बेहतर रहा है। इनका औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इक्विटी कैटेगरी में 1 साल का औसत रिटर्न कितना रहा।

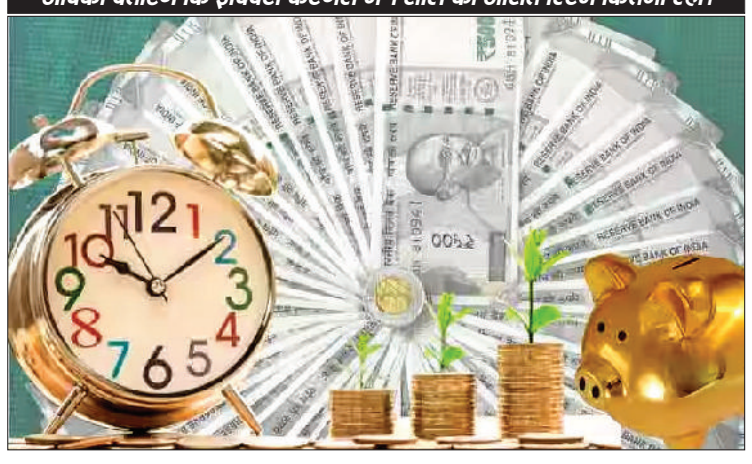

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

निवेश यानी बचत हर किसी को करनी चाहिए, क्योंकि इससे भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत होता है। बचत बच्चों की पढ़ाई, शादियों और बुढ़ापे में काफी मददगार साबित होते हैं। इसलिए हर किसी को अपनी कमाई का कम से कम 10 फीसदी तो जरूर बचत करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि इस बचत को सावधानी के साथ यदि म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाए तो अच्छा खास फंड बनाया जा सकता है। इन दिनों स्मॉलकैप शेयर काफी चर्चा में हैं। बीते 1 साल के दौरान इन्होंने आउटपरफॉर्म किया है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में करीब 65 फीसदी रिटर्न दिया है, जबकि लार्जकैप का रिटर्न 25 फीसदी रहा है, इस दौरान कई स्मॉलकैप स्टॉक में 100 फीसदी या इससे ज्यादा तेजी आई है। फिलहाल स्मॉलकैप की इस तेजी का फायदा म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी मिला है। बीते फाइनेंशियल ईयर में स्मॉलकैप फंड रिटर्न देने के मामले में इक्विटी कैटेगरी में नंबर 1 साबित हुए हैं। देखने में आ रहा है कि स्मॉलकैप फंड निवेशकों को मालामाल कर रहे हैं, लेकिन निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय करें और पोर्टफोलियों में डायवर्सिटी रखें इससे आपको नुकसान नहीं होगा। बाजार के जानकारों का कहना कि किसी भी एसेट्स में निवेश से पहले सावधानी बरतें, यानी जिस फंड में निवेश करने जा रहे हैं उसे एक बार अच्छे से जांच परख लें।

ऐसे समझें रिटर्न

- स्मॉलकैप फंडः 53 फीसदी
- मिडकैप फंडः 52.60 फीसदी
- लार्जकैप फंडः 41 फीसदी
- लार्ज एंड मिडकैप फंडः 44 फीसदी
- फ्लेक्सी कैप फंडः 39.67 फीसदी
- मल्टीकैप फंडः 45.62 फीसदी
- ईएलएसएसः 39.37 फीसदी
- वैल्यू ओरिएंटेडः 50 फीसदी
- (वित्त वर्ष 24: इन 30 इक्विटी स्कीम में 50 से 72% बढ़ा पैसा।)

टॉप परफॉर्म करने वाले म्यूचुअल फंड

- क्वांट स्मॉल कैपः 68%
- निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैपः 57%
- इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैपः 55%
- बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैपः 51%
- एडलवाइस स्मॉल कैपः 50%
- एचएसबीसी स्मॉल कैपः 49%
- आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैपः 43%
- एक्सिस स्मॉल कैपः 41%
- केनरा रोबेको स्मॉल कैपः 41%
- टाटा स्मॉल कैपः 41%

छोटी कंपनियों के शेयर क्यों चढ़े

जानकारों का कहना है कि मौजूदा वित्त वर्ष में सेंसेक्स की तुलना में छोटी कंपनी के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन भारतीय घरेलू बाजार की गतिशील प्रकृति और निवेशकों को प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों को दर्शाता है। विश्लेषकों के अनुसार, छोटी कंपनियों के शेयर आमतौर पर स्थानीय निवेशकों द्वारा खरीदे जाते हैं, जबकि विदेशी निवेशक बड़ी कंपनियों के शेयर पर ध्यान केंद्रित करते हैं। निवेशकों के सेंटीमेंट में यह बदलाव भारत में मजबूत व्यापक आर्थिक स्थितियों से प्रेरित है। यह परंपरागत रूप से आर्थिक विस्तार की अवधि के दौरान छोटी कंपनियों के शेयरों में तेज ग्रोथ को बढ़ावा देता है।

क्या होते हैं स्मॉलकैप फंड

स्मॉलकैप फंड की बात करें तो ये मार्केट कैप के लिहाज से स्मॉल कैप कंपनियों के स्टॉक और इक्विटी-रिलेटेड विकल्पों में निवेश करते हैं। सेबी के अनुसार, मिड कैप कंपनियां, मार्केट कैपिटलाइजेशन में 250 से 500 के बीच रैंक की जाती हैं। ये फंड आमतौर पर लार्ज-कैप और मिडकैप फंडों की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं, लेकिन उनकी तुलना में इसमें अस्थिरता ज्यादा होती है। बाजार में गिरावट आने पर स्मॉलकैप में गिरावट दूसरे सेगमेंट की तुलना में ज्यादा हो सकती है। उसी तरह तेजी आने पर ये लार्जकैप या मिडकैप की तुलना में ज्यादा रिटर्न भी देते हैं। फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह ली जाए तो ये रिस्क और रिटर्न का सही संयोजन हो सकते हैं।

स्मॉलकैप फंड में कौन करे निवेश

अगर बाजार का रिस्क लेने को तैयार हैं और आपके निवेश का लक्ष्य 7 साल से 10 साल का है तो स्मॉलकैप फंड हाईरिटर्न पाने के लिए बेहतर विकल्प माने जाते हैं। लंबी अवधि तक निवेश बनाए रहने से बाजार का जोखिम कम हो जाता है। इनका एवरेज रिटर्न बेहतर हो जाता है। ऐसे में अगर युवा हैं और रिस्क लेने को तैयार हैं, तो आप फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह लेकर इन स्कीम में निवेश कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

भाजपा के स्थापना दिवस पर निकाली बाइक रैली

खरखौदा। भारतीय जनता पार्टी के 44 वें स्थापना दिवस पर युवा कार्यकर्ताओं ने शहर भर में बाइक रैली निकाली। दिल्ली मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय से बड़ी संख्या में युवा बाइक पर सवार होकर दिल्ली बाईपास, थाना कलां मार्ग, मुख्य बाजार व शहर की परिक्रमा करते हुए वापस दिल्ली मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय में बाइक रैली का समापन किया। बाइक रैली का नेतृत्व युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अक्षित दहिया ने किया।

अल्फा एफसी भंभेवा को हरा जीता प्रथम पुरस्कार

सोनीपत। राइट टू फुटबाल और स्टेप्स के संयुक्त तत्वावधान में हारमनी कप 5ए साइड महिलाओं की प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्राचार्य डा. राजेश गुप्ता ने किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यातिथि के रूप में वार्ड 20 की पार्षद नीतू दहिया व कांग्रेस नेता राजेश दहिया उपस्थित रहे। सभी लीग मैचों में बेहतर औसत के आधार पर रेवाड़ी, अल्फा एफसी, भम्भेवा व कैथल ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले सेमिफाइनल में अल्फा एफसी ने टाई ब्रेकर तक खींचे मुकाबले में रेवाड़ी को हरा फाइनल में प्रवेश किया।

बरोना गांव का आर्थिक व सामाजिक सैंपल सर्वेक्षण

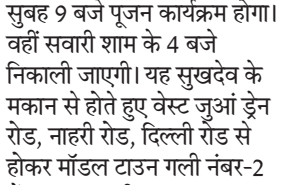

खरखौदा। शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय पिपली के भूगोल विभाग के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने बरोना गाँव का जन सांख्यिकीय तथा आर्थिक व सामाजिक सैंपल सर्वेक्षण किया। कार्यवाहक प्राचार्या किरन सरोहा ने सर्वेक्षण टीम को सहायक प्राध्यापक भूगोल जगबीर सिंह दहिया के साथ अपना आशीर्वाद देकर रवाना किया। गांव में पहुंचने पर सरपंच गीता देवी तथा उनके पति अजय दहिया उर्फ़ बबलू प्रधान ने सर्वे टीम का स्वागत किया।

ग्यारह को मनेगा गणगौर उत्सव

बहादुरगढ़। होली के बाद मनाए जाने वाले गणगौर उत्सव को लेकर बहादुरगढ़ में रहने वाले राजस्थान मूल के लोगों में बेहद उत्साह भी दिख रहा है। राजस्थान सेवा समिति बहादुरगढ़ द्वारा वीरवार 11 अप्रैल को गणगौर उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष मूलचंद जोशी ने बताया कि मॉडल टाउन की गली नंबर-2 में सुखदेव ठेकेदार के आवास पर सुबह 9 बजे पूजन कार्यक्रम होगा। वहीं सवारी शाम के 4 बजे निकाली जाएगी। यह सुखदेव के मकान से होते हुए वेस्ट जुआं ड्रेन रोड, नाहरी रोड, दिल्ली रोड से होकर मॉडल टाउन गली नंबर-2 में वापस आएगी।

जजपा कार्यकर्ताओं ने मनाई स्वर्गीय उपप्रधानमंत्री देवीलाल की पुण्यतिथि

ताऊ देवीलाल के विचार और प्रेरणा आज भी अमर : दहिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जननायक जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को स्वर्गीय उप प्रधानमंत्री चौ देवीलाल की 23 वीं पुण्यतिथि पर सोनीपत जिले के सभी छः हलकों में शोकसभा व प्रार्थना सभा आयोजन करके विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर ताऊ के अनुयायियों द्वारा उनकी प्रतिमा को गंगा जल से नहलाकर पुष्पमाला पहना कर नम आंखों से नमन किया। सभी हलकों में प्रातः वंदना आयोजित करके सभी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता चौ. देवीलाल की समाधि संघर्ष स्थल पर आयोजित शौक सभा में दिल्ली के लिए रवाना हुए। जहां पर पार्टी सुप्रीमो डॉ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला समेत प्रदेश अध्यक्ष निशान सिंह, दिग्विजय चौटाला, कृष्ण चन्द्र बांगड़, संगठन सचिव राजेंद्र लितानी सहित पार्टी के तमाम सीनियर नेता मौजूद रहें।

जेजेपी के जिला अध्यक्ष राज सिंह दहिया ने बताया कि स्वर्गीय चौधरी देवीलाल ऐसे युगपुरुष थे जिनको समूचा देश सदियों तक याद रखेगा। उन्होंने कहा कि वे एक क्षेत्र, प्रांत, जाति वर्ग या समाज के प्रेरणास्रोत ही नहीं थे बल्कि वे सच्चे अर्थों में सर्व समाज के मार्गदर्शक थे। इस अवसर पर प्रार्थना सभा में सुमित राणा, अजीत अंतिल, भूपेन्द्र मलिक, संदीप गहलावत, अनिल त्यागी, देवेंद्र दहिया, सुरेंद्र मलिक, संदीप भनवाला, जिला प्रेस प्रवक्ता जोनी लठवाल, भानेराम, रमेश बड़ोली, राममेहर राठी, सुधीर धनखड़, सुरेश धवन, हवा सिंह वर्मा, जुगतीराम बैरागी, बबलू वाल्मीकि, सुरेन्द्र खासा, गफूर खान, भीम सिंह मेहरा, महेंद्र मिंदा, प्रताप गुढ़ा, कृष्ण सरोहा, तेजेंद्र मलिक, कंवल सिंह, राजेश सरोहा, मंजीत खत्री, भगत सिंह खत्री, बसंत सरपंच, नपला जौली आदि मौजूद रहे।

प्रतिमा को गंगा जल से नहलाकर पुष्पमाला पहनाकर नम आंखों से किया नमन

सोनीपत। ताऊ देवीलाल की पुण्यतिथि के मौके पर एकत्रित जजपा नेतागण।

देवीलाल की नीतियां देश के लिए प्रेरणादायक: त्यागी

गन्नौर। पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की पुण्यतिथि पर देवीलाल चौक पर जजपा कार्यकर्ताओं ने हलकाध्यक्ष अनिल त्यागी के नेतृत्व में प्रतिमा की सफाई कर गंगाजल चढ़ाया। हलकाध्यक्ष त्यागी ने संबोधित करते कहा कि चौ. देवीलाल की नीतियां पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है। उनके आधार पर जनहित की नीतियां भी बनी हैं। उन्होंने बुजुर्गों को पेंशन जैसी बड़ी सौगात दी, जिसके चलते आज बुजुर्ग सम्मान के साथ अपना जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। इसी प्रकार से किसानों का दस हजार रुपये तक का कर्ज माफ किया था। कृषि क्षेत्र की आवश्यकता अनुसार नहरी पानी उपलब्ध कराया। प्रत्येक गांव में सड़कों को जाल बिछाया और हर सड़क को शहरों के साथ जोड़ा गया, ताकि किसान अपनी उपज को आसानी से मंडियों में ला सके और उनकी सुविधा के लिए ट्रैक्टरों का टोकन टैक्स भी समाप्त किया। वरिष्ठ नेता भानेराम ने कहा कि उनके दिखाए मार्ग का हमें अनुसरण करना चाहिए। चौ. देवीलाल ने जनहित में जो नीतियां बनाई थी। उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

इनेलो कार्यकर्ताओं ने स्व.देवीलाल को किया नमन

गोहाना। इनेलो के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौ. देवीलाल को उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। गोहाना हलका के कार्यकर्ताओं ने शहर में आदर्श नगर के निकट चौ. देवीलाल की प्रतिमा और बरोदा हलका के कार्यकताअरं ने गांव आहुलाना स्थित चौ. देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इनेलो के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश गोयल ने कहा कि चौ.देवीलाल ने गरीब, किसान, मजदूर, व्यापारी, कर्मचारी समेत प्रत्येक वर्ग के हित में कार्य किए थे। लोग आज भी उनके द्वारा किए गए कामों को याद करते हैं। समारोह में अतुल मलिक, विजय मग्गो, राजेश हसीजा, सुरेंद्र काला, जितेंद्र बाबा, संजय गामड़ी ने चौ. देवीलाल को नमन किया। बरोदा हलका के कार्यकताअरं ने इनेलो के प्रदेश सचिव जोगेंद्र मलिक के नेतृत्व में माल्यार्पण किया। वे बोले कि देवीलाल के आदर्श और उनकी बताई नीतियों पर चलकर ही हरियाणा में लोकराज की पुनर्स्थापना हो सकती है।

गोहाना। हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर पुराने बस अड्डे पर छोटूराम चौक में मौजूद स्कूल के विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

विद्यार्थियों ने निकाली सेहत जागरूकता रैली

- जेकेआर स्कूल के छात्रों ने हाथों में बैनर,तख्तियां लेकर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

विश्व स्वास्थ्य दिवस की पूर्व वेला पर शनिवार को जेकेआर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने शहर में स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकाली। रैली में विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य संबंधी स्लोगन लिखी तख्तियां हाथों में लेकर लोगों को स्वास्थ्य बारे जागरूक किया। इस रैली को स्कूल के एमडी राजबीर राठी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यार्थियों ने शहर में जगह-जगह पर नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति दी और लोगों को अच्छे स्वास्थ्य के लिएस जंक फूड के सेवन से बचने का संदेश दिया। जागरूकता रैली स्कूल से शुरू होकर गुढ़ा चुंगी, बरोदा रोड, काठमंडी, पुरानी तहसील रोड, छोटूराम चौक, शहीद चौक, समता चौक और महम रोड से होते हुए वापस स्कूल पहुंची। एमडी राजबीर राठी ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन का मूल आधार है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करें और धूम्रपान सहित अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचें।

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट से सृजनात्मकता को दिया बढ़ावा

सोनीपत। शम्भू दयाल शिक्षण महाविद्यालय में शनिवार को आर्ट एंड क्राफ्ट में बेकार वस्तुओं का उपयोग करके कुछ अनोखा और नया बनाना कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने ऐसी सामग्री से जो किसी काम की नहीं थी, उससे कुछ नया बनाना सिखा। बच्चों ने बेकार पेपर की कटिंग से फ्लावर पॉट को सजाया और बेकार की वस्तुओं से पेन स्टैंड, डस्टबिन, टोकरी इत्यादि बनाए। शिक्षण संस्थान की प्रिंसिपल डॉ. सुनीता स्याल ने बच्चों को बताया कि इस प्रकार हम रीसाइक्लिंग के द्वारा प्रदूषण से भी बचाव कर सकते हैं। छात्रों ने यह कार्य सहायक प्रोफेसर और महिला प्रकोष्ठ प्रभारी आशा सैनी की देखरेख में किया। इस कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर इश कुमार, प्रवीन कुमार, नीलम, शिल्पा टंडन, वीरेंद्र चौहान, महेंद्र सिंह, व संदीप गौतम भी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य ही मानव जीवन की असली बुनियाद

- गीता विद्या मंदिर में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शहर में गुढ़ा रोड स्थित स्थनीय गीता विद्या मंदिर में शनिवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जीवन में स्वास्थ्य का महत्व समझाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंध समिति के प्रबंधक डॉ. मनोज शर्मा ने की। कार्यक्रम का संयोजन चाणक्य सदन की ओर से किया गया।

प्राचार्य अश्विनी कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य ही जीवन की असली बुनियाद है, यही सबसे अमूल्य धन है। जीवन में कोई भी काम करने के लिए स्वास्थ्य व्यक्ति की सबसे पहली आवश्यकता है। कक्षा दसवीं की छात्रा निकिता ने विषय बारे जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य आधार मेडिकल के क्षेत्र में नई खोज, नई दवाओं और नए टीकों की खोज के बारे में भी लोगों के बीच जागरूकता फैलाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस साल ह्यमाय हेल्थ माय राइट थीम के साथ विश्व स्वास्थ्य दिवस को मनाने का फैसला किया है। माय हेल्थ माय राइट थीम इस बात को दर्शाता है कि स्वास्थ्य ही मानव के जीवन की असली बुनियाद है। विद्यालय के शारीरिक आचार्य जनता चहल, रेखा शर्मा एवं सोमनाथ ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य की दृष्टि से सूक्ष्म व्यायाम एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया।

गोहाना। स्वास्थ्य का महत्व समझाते गुरु और शिष्य। *फोटो : हरिभूमि*

कोट मोहल्ला में सुनी लोगों की शिकायतें

सोनीपत। समता सैनिक दल व हरियाणा संयुक्त कर्मचारी एकता मंच के सामूहिक नेतृत्व में राम मंदिर कोट मोहल्ला/धानकांन बस्ती सोनीपत में एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता यशवंत राव चौहान, प्रदेश अध्यक्ष- समता सैनिक दल ने की और संचालन एकता मंच के प्रदेश महासचिव आरके नागर ने किया। सभा में कोट मोहल्ला एवं धानकान बस्ती के लोगों की शिकायते सुनने के बाद यशवंत राव चौहान तथा आरके नागर ने बताया कि बस्ती के लगभग 10 से 15 मकानों में भारी दरारें आ गई है और मकान गिरने के कगार पर है। परिवारों की जान को भारी जोखिम बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने इसका कारण बहुत पुरानी वाटर सप्लाई पाइपलाइन का होना बताया गया है। जो अक्सर लीकेज होती रहती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन एवं सरकार से 25- 25 लाख रुपए मुआवजे की मांग की है। अंत में आरके नागर तथा यशवंतराव चौहान ने सभा का आयोजन करने का मकसद बताते हुए कहा कि 10 अप्रैल बुधवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का 134वां जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

खान-पान की अच्छी आदतें अपनाएं

- इंडियन मॉडर्न स्कूल में हर्षोल्लास से विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

इंडियन मॉडर्न स्कूल में शनिवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि एसएमओ डॉ. संजय छिक्कारा, डॉ. प्रवीन मलिक (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी) ने शिरकत की। विद्यार्थियों ने मेडिकल से संबंधित प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा को शांत किया और छात्र-छात्राओं ने भाषाण, नुक्कड़-नाटक, पंजाबी नृत्य आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। अच्छे स्वास्थ्य एवं कल्याण के औचित्य को समझाते हुए छात्रो द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विज्ञान के जरिए अंधविश्वासों का पुरजोर खंडन व विरोध किया। एसएमओ ने विभिन्न गतिविधियों को सराहना करते हुए कोविड-19 के समय का निजी अनुभव छात्रों के साथ सांझा कर उन्हें जीवन में स्वस्थ और संघर्षरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। प्रधानाचार्य राजेन्द्र सिहं गाहल्याण ने कहा कि हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए हमें खान-पान की अच्छी आदतों पर ध्यान देना चाहिए। इसमें संतुलित आहार शामिल करें, साथ में योग और ध्यान जैसी शारीरिक गतिवाधियों को अपनाने पर जोर दिया। प्रबंधक नीलम गाहल्याण, उप-प्रधानाचार्या रेणु श्योराण ने यह भी बताया कि तनाव बच्चों के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है। इस सुअवसर पर शिक्षकों के साथ अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत करते प्राचार्य एवं अन्य।

सोनीपत। कार्यक्रम में कवियों को सम्मानित करते प्रधान साथ में प्राचार्या एवं अन्य।

देशभक्ति का दिया संदेश

सोनीपत। झंडे वाली गाड़ियों में फिर देशभक्ति के गीत गाए जा रहे हैं, देश में चुनाव हैं। सूखी नदियों में पानियों के झूठे मूठे ख्वाब दिखलाए जा रहे हैं देश में चुनाव है। कहीं डाल कहीं पात कहीं दोनों एक साथ कटवाये जा रहे हैं देश में चुनाव है, एक बस्ती में फूल एक बस्ती में शूल बंटवाए जा रहे हैं देश में चुनाव है। यह पंक्तियां हैं प्रख्यात हास्य कवि चरणजीत चरण की, जिन्होंने जीवीएम गर्ल्ज कालेज में आयोजित हास्य कवि सम्मेलन में प्रस्तुति दी। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने आमंत्रित कवियों का स्वागत करते हुए छात्राओं को उनकी रचनाओं में व्याप्त संदेश का अनुसरण करने पर बल दिया। जीवीएम गर्ल्ज कालेज में शनिवार को हास्य कवि सम्मेलन का शानदार आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ संस्था के प्रधान व प्राचार्या सहित आमंत्रित कवियों ने दीप प्रज्वलित करते हुए किया। कवि सम्मेलन में कवियों ने हास्य रचनाओं व हंसगुल्लों के साथ देशभक्ति का गंभीर संदेश दिया। अंत में प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने सभी आमंत्रित कवियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

लंबित मामलों का शीघ्र निपटान करें

- डीसी ने किया उपायुक्त कार्यालय रिकार्ड रूम,स्टोर रूम का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

उपायुक्त डॉ. मनोज ने शनिवार को उपायुक्त कार्यालय, रिकार्ड रूम तथा स्टोर रूम का का निरीक्षण किया। उन्होंने रिकॉर्ड दुरुस्त करने के विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार के एक-एक पैसे का रिकॉर्ड होना चाहिए। साथ ही हर प्रकार के मामलों का पूर्ण ब्यौरा रखा जाए। उपायुक्त ने तहसील में हर प्रकार के कार्य के रिकॉर्ड रजिस्टर की जांच की। उन्होंने रजिस्टर में सही प्रकार से एंट्री व मार्किंग के निर्देश दिए। कैशबुक में एंट्री को ट्रेजरी से वेरिफाई करवायें। साथ ही उन्होंने कहा कि डीड्स में देरी नहीं होनी चाहिए। हर कार्य समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। तहसील में आम जनमानस को दी जा रही सरकारी सेवाओं की भी उन्होंने विस्तार से जांच की। उन्होंने स्वयं हर खिड़की पर जाकर रिकॉर्ड की पड़ताल की। साथ ही उन्होंने हर प्रकार के रिकॉर्ड को सही करने के निर्देश देते हुए रिकॉर्ड रूम में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने नकल, जमाबंदी, रीडर के रिकॉर्ड, आरटीआई तथा लंबित मामलों की विशेष रूप से जानकारी लेते हुए विस्तार से पड़ताल की। इस मौके पर एसडीएम अमित कुमार, डीआरओ हरिओम अत्री, पीडब्ल्यूडी विभाग के एक्सईएन पंकज गौड़ सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सोनीपत। निरीक्षण करते उपायुक्त साथ में डीआरओ एवं एक्सईएन।

गोहाना। महर्षि कश्यप को नमन करते मोर्चा के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

महर्षि कश्यप को किया नमन

गोहाना। शहर में बरोदा रोड गोहाना स्थित देवी नगर के कालू बाबा मंदिर में आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के सदस्यों ने महर्षि कश्यप की जयंती मनाई। समारोह में मोर्चा के सदस्यों ने महर्षि कश्यप के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। मुख्य वक्ता मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह डांगी ने कहा कि महर्षि कश्यप का सृष्टि के सृजन में अहम योगदान रहा। उनके महा योगदान की यशोगाथा हमारे वेदों, पुराणों, स्मृतियां, उपनिषदों एवं अन्य अनेक धार्मिक ग्रंथों भरी पड़ी है। महर्षि कश्यप पिघलते हुए सोने के सामान तेजवान थे। वे ऋषि-मुनियों में श्रेष्ठ माने जाते हैं। जयंती समारोह की अध्यक्षता मोर्चे के निदेशक निदेशक डॉ. सुरेश सेतिया ने की। वे बोले कि महर्षि कश्यप ने अधर्म का पक्ष कभी नहीं लिया चाहे इसमें उनके पुत्र ही क्यों न शामिल हों। महर्षि कश्यप राग द्वेष रहित परोपकारी चरित्रवान और प्रजापालक थे। समारोह में राजपाल कश्यप, साहब राम इंढौरा, नरेश फौजी, सतबीर पौड़िया, गोविंद कश्यप, सुनील कश्यप, तनिष कश्यप, प्रदीप कश्यप, दिलबाग सिंह तथा सुरेश कुमार मौजूद रहे।

कन्या महाविद्यालय में रैंप शो का आयोजन किया

मॉडलिंग में दिव्या अव्वल, मुस्कान द्वितीय रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

कन्या महाविद्यालय में कम्युनिटी कॉलेज स्कीम के तहत चल रहे कोर्स ब्यूटी एंड वैलनेस और ड्रेस डिजाइनिंग एंड टेलरिंग की इंचार्ज शालू और रिंकी के नेतृत्व में एक रैंप वॉक शो का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र दहिया की उपस्थिति व कॉलेज प्रबंधन समिति प्रधान वेद प्रकाश दहिया की अध्यक्षता में किया गया। रैम्प शो का उद्देश्य ग्रामीण परिवेश की छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें फैशन की दुनिया से भी परिचित कराना रहा। रैम्प शो में पहने गए परिधान ड्रेस डिजाइनिंग एंड टेलरिंग की छात्राओं द्वारा तैयार किए गए। हेयर स्टाइल ,मेकअप आदि कार्य ब्यूटी एंड वैलनेस की छात्राओं द्वारा किया गया। चारों राउंड में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार देकर मुख्य अतिथि और प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया। ट्रेडिशनल राउंड में पहला स्थान नेहा , दूसरा स्थान रुपा और तीसरा स्थान प्रीति ने प्राप्त किया। एथीक राउन्ड में प्रथम अंजू , दूसरा अनु और तीसरा स्थान साक्षी ने प्राप्त किया। थीम राउंड में प्रथम नेहा, द्वितीय अंजू और तृतीय स्थान पूजा ने प्राप्त किया। मॉडलिंग के अंतर्गत मेकअप में प्रथम संगीता, द्वितीय आकांक्षा और तृतीय स्थान पर काजल रही। हेयर स्टाइल में पहला मुस्कान, दूसरा मोनिका और तीसरा स्थान बबीता ने प्राप्त किया ' मॉडलिंग में पहला दिव्या, दूसरा मुस्कान और तीसरा स्थान प्रिया ने प्राप्त किया। सभी प्रथम स्थान लेने वाली छात्राओ को 1100, द्वितीय को 700 और तीसरे स्थान के लिए 500 रुपए की राशि देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ. सुमिता, डॉ. सुषमा और पूनम रही। मंच संचालन हिंदी विभाग प्रभारी डॉ प्रमिला द्वारा किया गया।

खरखौदा। रैंप वॉक शो में भाग लेती छात्राएं। *फोटो : हरिभूमि*

सफाई कर्मचारियों का धरना जारी

- शहरी ठेका सफाई कर्मचारी यूनियन के बैनर तले सेक्टर 15 में चल रहा प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सीटू से संबंधित शहरी ठेका सफाई कर्मचारी यूनियन के बैनर तले सफाई कर्मचारियों का धरना शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। पीसीसी कंपनी सेक्टर 15 के ऑफिस के बाहर हड़ताल कर रहे सफाई कर्मचारियों ने कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरनास्थल की अध्यक्षता यूनियन प्रधान अजय कुमार टॉक, संचालन यूनियन सचिव मुकेश टॉक ने किया। ठेकेदार पर गुंडागर्दी का आरोप लगाते हुए ठेका सफाई कर्मचारियों ने मांग उठाई कि ठेका सफाई कर्मचारियों को महीने की 7 तारीख को वेतन दिया जाए और पीसीसी कंपनी से हटाए गए 380 कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से ड्यूटी पर लिया जाए, पीसीसी कंपनी द्वारा टेंडर के एग्रीमेंट के मुताबिक 543 कर्मचारी लगाए जाए, 380 सफाई कर्मचारियों को काम पर लगा रखा है 163 कर्मचारियों की फ्रॉड हजारी लगा के निगम से 24 लाख 45 हजार रुपए हर महीने पास कराए जा रहे है। कर्मचारियों के ईएसआई और ईपीएफ में भी बहुत बड़ा घोटाला है कर्मचारियों के वेलफेयर में भी बहुत बड़ा घोटाला है इन सभी की जांच कराई जाए ना कोई सामाजिक सुरक्षा की गारंटी दी जा रही, पीसीसी कंपनी में चोर बाजारी का खेल चला हुआ है। कर्मचारियों को ठेकेदार द्वारा हड़ताल के लिए उकसाया जा रहा है।

सोनीपत। सफाई ना होने के चलते फैला कूड़ा। *फोटो : हरिभूमि*

खबर संक्षेप

भागराम ट्रस्ट 8 को लगाएगा रक्तदान शिविर

गोहाना। भागराम ट्रस्ट अपना साप्ताहिक रक्तदान शिविर सोमवार को शहर में सोनीपत मोड़ के टी प्वाइंट पर स्थित भगवान परशुराम चौक में लगाएगा। रक्त के संकलन के लिए सोनीपत के रोटरी ब्लड सेंटर की टीम आएगी। रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि गीता विद्या मंदिर के नए मैनेजर डॉ. मनोज शर्मा होंगे। अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गंगनेजा करेंगी। मार्गदर्शन स्टार रक्तदाता सुरेंद्र विश्वास का रहेगा।

चोरों ने इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में लगा दी सेंध

गोहाना। शहर में तहसील रोड पर चोरों ने इलेक्ट्रानिक्स की दुकान की में सेंध लगाकर सामान चोरी कर लिया। दुकानदार की शिकायत पर शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। उत्तम नगर में रहने वाले अशोक गुप्ता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने शहर में सिविल रोड के साथ अशोका इलेक्ट्रिक सेंटर के नाम से बिजली के सामान की दुकान कर रखी है। गुरुवार शाम को वह दुकान बंद करके घर चला गया था।

लॉन टेनिस में कार्तिक वर्मा ने जीता स्वर्ण पदक

सोनीपत। सोनीपत के गोहाना शहर में 1 अप्रैल, 2024 से 5 अप्रैल 2024 तक आयोजित ऑल इंडिया लॉन टेनिस चैंपियनशिप सीरीज में अंडर 18 बालक वर्ग के फाइनल मैच में लिटल एंजल्स स्कूल, सोनीपत के खिलाड़ी कार्तिक वर्मा ने उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी को 7-6, 6-4 के स्कोर से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। कार्तिक ने इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर न केवल अपने विद्यालय बल्कि अपने प्रदेश का नाम भी रोशन किया।

किसी भी दल के पास पन्ना प्रमुख का कोई तोड़ नहीं

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर पार्टी की पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन एवं मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने सोनीपत विधान सभा के बूथ न0. 55 पर पार्टी का ध्वज अपने घर पर लगाया। इस अवसर पर कविता जैन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि 44 वर्षों की भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है।

वाल्मीकि आश्रम में एकत्र होंगे विभिन्न संगठन

गोहाना। शनिवार को गोहाना के बैकवर्ड भवन में पिछड़ा एवं अनुसूचित समाज के प्रतिनिधि इक्_ा हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि कल 7 अप्रैल को गोहाना के वाल्मीकि आश्रम में सांय 40 बजे छत्तीस बिरादरियों के प्रतिनिधि इकट्ठा होंगे और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती वाल्मीकि आश्रम में सामूहिक रूप से मनाने पर विचार विमर्श किया जाएगा।

आचार संहिता के चलते काम रूकने से लोग परेशान

बसंत विहार एक्सटेंशन में गलियों का निर्माण अटका

1 करोड 26 लाख 54 हजार रुपये की लागत से होना है गलियों का निर्माण कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गन्नौर। बसंत विहार एक्सटेंशन में कच्ची पड़ी गली। फोटो : हरिभूमि

शहर की हाल ही में नियमित हुई बसंत विहार एक्सटेंशन में गलियों निर्माण का कार्य अटक गया है। आचार संहिता लगने के बाद वजह से गलियों का निर्माण की प्रक्रिया अब रुक गई है। नगरपालिका द्वारा बसंत विहार एस्टेंशन में 1 करोड 26 लाख 54 हजार रुपये की लागत से गलियों का निर्माण किया जाना है। इसके लिए नगरपालिका द्वारा टेंडर भी लगाया गया था, लेकिन किसी भी एजेंसी ने टेंडर में रूची नही दिखाई। जिसके बाद नगरपालिका को टेंडर को रिकाल करना पड़ा, लेकिन आचार संहिता लगने की वजह से अब नगरपालिका ने टेंडर प्रकिया पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। ऐसे में बसंत विहार एक्सटेंशन में गलियों का निर्माण नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि शहर की बीचों बीच बसी बसंत विहार एक्सटेंशन हाल ही में नियमित की गई थी। इससे पहले नियमिन न होने की वजह से बसंत विहार एक्सटेंशन में रह रहे लोग विकास कार्यों को तरस रहे थे, क्योंकि इनमें न तो गलियों का निर्माण किया जा रहा था और पहले बन चुकी गलियों को रिपेयर भी नहीं करवाया जा रहा था। ऐसे में इन कालोनियों में रहने वाले लोगों को खाली प्लाटों में दूषित पानी को छोड़ा जा रहा है। सरकार द्वारा इस कालोनी को नियमित करने के बाद आचार संहिता लगने से पहले बसंत विहार एक्सटेंशन में गलियों के निर्माण के लिए नगरपालिका ने टेंडर भी लगाए थे, लेकिन किसी भी एजेंसी ने टेंडर में रूची नहीं दिखाई तो नगरपालिका ने इसे रिकाल कर दिया था। अब आचार संहिता लगने की वजह से नगरपालिका द्वारा टेंडर प्रक्रिया पर पूरी तरह से रोक लगा दी, जिससे अब यहां गलियों के निर्माण के लिए लोगों को आचार संहिता हटने का इंतजार करना होगा।

आचार संहिता के बाद होगा कार्य

नगरपालिका जेई सचिन धीमान ने बताया कि बसंत विहार में गली निर्माण के लिए नगरपालिका ने टेंडर लगया था, लेकिन किसी भी एजेंसी में टेंडर के लिए आवेदन नही किया। जिसके बाद टेंडर रिकाल किया गया, लेकिन उसके बाद आचार संहिता लग गई। जिस वजह से अब टेंडर प्रक्रिया थम गई है। आचार संहिता हटते ही टेंडर खोला जाएगा और गलियों का निर्माण शुरू करवाया जाएगा।

खास बातें

- आचार संहिता लगने से पहले गलियों के निर्माण के लिए नगरपालिका ने टेंडर भी लगाए थे
- आचार संहिता लगने की वजह से अब नगरपालिका ने टेंडर प्रकिया पर पूरी तरह से रोक लगा दी

स्थापना दिवस पर भाजपाइयों ने निकाली रैली

- राई हलके में योगेश जठेड़ी, पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

राई। युवा मोर्चा के महामंत्री एवं जठेड़ी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रवीन दहिया, पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल। फोटो : हरिभूमि

भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता ने शनिवार को भाजपा का स्थापना दिवस को भव्य बनाने के लिए युवा मोर्चा के महामंत्री योगेश जठेड़ी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रवीन दहिया, पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल के नेतृत्व में मोटरसाईकिल यात्रा निकाली। सोनीपत अनाज मंडी से चली यात्रा का राई हलके में पहुंचने पर युवाओं ने भव्य स्वागत किया। पूर्व मंत्री कविता जैन, पूर्व राई हलके के भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री युवा नेता योगेश जठेड़ी व पूर्व मार्किट कमेटी के चेयरमैन कुलदीप नांगल, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रवीन दहिया आदि ने स्थापना दिवस, बूथ सशक्तिकरण, भीमराव आदि पर चर्चा करते हुए भाजपा हितैषी नारे लगाए व मोटरसाईकिल यात्रा को रवाना किया। पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल ने कहा कि भाजपा के पदाधिकारी, पन्ना प्रमुख और कार्यकर्ता इस दिवस को एक उत्सव के रूप में मनाएंगे। सभी बूथ अध्यक्ष अपने बूथ के सभी मतदाताओं से संपर्क कर पार्टी की विचारधारा के बारे में बताएं।

चार दिवसीय योगा शिविर संपन्न

सोनीपत। टीका राम शिक्षा महाविद्यालय के प्रांगण में चार दिवसीय 'योग : आध्यात्मिक स्तर' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह राणा ने विद्यार्थियों को स्वस्थ और प्रसन्न रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। योगा क्लब प्रभारी डॉ. अंजलि श्योकंद ने विभिन्न आसनों और प्राणायाम की आवश्यकता एवं महत्व के विषय में प्रतिभागियों को अवगत करवाया। सहायक प्रोफेसर डॉ. दीप्ति और कुमारी प्रीति द्वारा विभिन्न आसनों का प्रदर्शन कर प्रतिभागियों को अभ्यास करवाया।

आईएपी ने ऑटिज्म पर जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया : शर्मा

गन्नौर। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी)के प्रधान डा. सतीश शर्मा व सदस्य डा. एन के मित्तल जानकारी देते हुए।

गन्नौर। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) के सदस्य एवं वीआईवीई के अध्यक्ष डा. सतीश शर्मा ने कहा कि आईएपी गर्व से बाल स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के उद्देश्य से राष्टव्यापी अभियान, आईएपी की बात, कम्युनिटी के साथ की शुरूआत की घोषणा करता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 व 2025 के लिए कार्य योजना में उल्लिखित उद्देश्यों के अनुरूप, यह पहल समुदायों को शामिल करने और दो साल की अवधि में बाल स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रसारित करने का प्रयास करती है। वे जीटी रोड स्थित रेस्तरा में आईएपी के कार्यक्रम में बोल रहे थे। डा. शर्मा ने कहा कि इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सदस्य एवं मित्तल नर्सिंग होम के बाल रोग विशेषज्ञ डा. एन के मित्तल मुहिम को आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग कर रहे है। शर्मा ने बताया कि आईएपी मोटापा, खसरा, ऑटिज्म, डाउन सिंड्रोम और थैलेसीमिया सहित विषयों पर ध्यान केंद्रित करके, आईएपी का लक्ष्य सभी के लिए सुलभ और प्रासंगिक जानकारी सुनिश्चित करना है, जिससे सामाजिक कल्याण में योगदान हो सके।

49.50 लाख की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

- छह आरोपित किए काबू, सनशाइन काउंटी निवासियों के साथ की थी वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

साइबर थाना पुलिस ने मोबाइल पर मैसेज भेजकर स्टॉक मार्केट में निवेश का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मामले में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों पर सोनीपत के कुंडली थाना क्षेत्र के रेजिडेंट को झांसे में लेकर 49.50 लाख रुपये ठगने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपितों की शिनाख्त परेड कराई जाएगी। उसके बाद पुलिस उनकी पहचान उजागर करेगी।

कुंडली क्षेत्र की सनशाइन काउंटी निवासी निवासी रमेश कुमार ने 2 फरवरी को साइबर थाना पुलिस को बताया था कि 30 नवंबर, 2023 को उनके मोबाइल पर निवेश को लेकर मैसेज आया था। जिसके बाद उन्हें स्टॉक मार्केट में निवेश की स्कीम बताकर झांसा में लिया गया था। वह उनकी बातों में आ गए थे और उनके कहने पर एल्ली वर्ल्ड एप डाउनलोड कर लिया था। 21 दिसंबर, 2023 को उन्होंने 50 हजार रुपये उनके खाते में डाल दिए थे। तीन दिन बाद उन्हें 35 सौ रुपये मुनाफे के दिए थे। 26 दिसंबर, 2023 को उन्होंने पांच लाख रुपये डाल दिए थे। फिर उन्हें 42 सौ का नुकसान होने की जानकारी दी थी।

रमेश कुमार ने बताया था कि फिर से पांच लाख रुपये डाले तो उनके खाते में 2.17 लाख का मुनाफा दिखाई देने लगा था। उन्होंने 29 दिसंबर, 2023 को उनके दिए खाते से 80 हजार रुपये निकाले तो वह उन्हें मिल गए थे। फिर उन्हें 10 लाख रुपये डालने को कहा था। फिर पांच लाख और डाल दिए।

आठ मोबाइल और 1.92 लाख की नकदी बरामद

पुलिस ने मामले में आरोपितों को गिरफ्तार कर उनसे 8 मोबाइल व 1.92 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस उन्हें रिमांड पर लेकर गहनता से पूछताछ करेगी। साइबर टीम का कहना है कि जांच में सामने आया है कि इस तरह ठगी के देशभर में 200 मामले सामने आ चुके है। जिसमें से नौ में मुकदमा दर्ज है।

महिला आयोग की वाइस चेयरपर्सन ने थाने का निरीक्षण किया

गोहाना। राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरपर्सन सोनिया अग्रवाल ने शनिवार को खानपुर महिला थाने का निरीक्षण किया। चेयरपर्सन ने थाने में शिकायत लेकर आने वाली महिलाओं को मिलने वाली विभागीय सेवाओं, सुरक्षा, सहयोग व अन्य विभागीय गतिविधियों के बारे में पुलिस अधिकारियों से बातचीत की और उचित दिशा-निर्देश दिए।

वाइस चेयरपर्सन ने महिला थाने में तैनात कर्मचारियों को स्पष्टद्द निर्देश दिए कि थाने में शिकायत लेकर आई महिला के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार किया जाए और उसकी शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए। उन्होंने थाने की इंचार्ज कविता से कहा कि न्याय के लिए आई महिला को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा उसकी सुरक्षा से संबंधित सभी इंतजाम किए जाएं। हिरासत में ली गई महिला के साथ आए बच्चों को भी सुरक्षित वातावरण मिले और उनके खेलने के लिए अलग कमरे में सामान के साथ समुचित व्यवस्थाएं भी की जाएं। सोनिया अग्रवाल ने पुलिस थाने में रीडर रूम, कम्प्यूटर कक्ष, आईओ कक्ष, एमएचसी रूम, शिकायत रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया।

सेक्टर 23 में गमला चोर गिरोह का आतंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सेक्टर-23 में गमला चोर गिरोह एक परिवार के लिए परेशानी का सबब बन चुका है। गमला चोर गिरोह के सदस्य बाइक पर सवार होकर आते हैं और गमले चोरी कर ले जाते हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है वह दो दिन में चार बार उनके घर आए। आरोपी सीसीटीवी में भी दिखाई दे रहे है। सीसीटीवी में देखने पर जब शोर मचाया गया तो उन्होंने मामले की धमकी दे डाली। पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सेक्टर-23 निवासी अंकित भनवाला ने सिटी थाना पुलिस को बताया कि उन्होंने घर के बाहर ग्रिल लगाकर गमले रखे हैं। कुछ युवकों की निगाह उनके गमलों पर है। वह उनके घर के बाहर से लगातार गमले चोरी कर ले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाइक सवार युवक 2 अप्रैल को उनके घर से तीन बार गमले चोरी कर ले गए। चोर सुबह 11:20 पर उनके घर आए। उनकी घरेलू सहायिका अंदर गई तो वह गमले उठा ले गए। उसके बाद शाम 5:36 बजे व देर रात 12:05 बजे उनके घर आकर गमले ले गए। देर रात जब उनकी पत्नी ने सीसीटीवी में उन्हें गमले उठाते देखा तो उन्होंने बाहर आने की कोशिश की। इस पर चोरी करने आए युवकों ने धमकी दी कि बाहर निकली तो जान से मार देंगे। उनकी पत्नी ने शोर मचाया और आसपास के लोग आए तो वह गमले लेकर भाग गए। उसके बाद फिर से 3 अप्रैल की शाम 7:40 बजे वह कुछ गमले उठाकर ले गए। वह सीसीटीवी में दिखाई दे रहे हैं।

चोरी हो चुके हैं 30 गमले

परिवार की महिला ज्योति ने बताया कि चोर बिना नंबर की बाइक लेकर चोरी की वारदात को अंजाम देने आते है। उनकी बाइक पर आगे लाइट पर अंग्रेजी में एस और पीछे एन लिखा हुआ है। उन्होंने आसपास के लोगों को सीसीटीवी फुटेज दिखाई तो बताया जा रहा है कि युवक ककरोई गांव के हैं। यह गिरोह की तरह काम करते है और इसमें पांच से सात युवक बताए गए हैं। महिला का कहना है कि उनके घर से करीब 30 गमले चोरी हो चुके हैं। आरोपितों को जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए। चोर सेक्टर-23 में ही अधिवक्ता पवन दहिया के घर से पांच अप्रैल को हुक्का व कस्सी चोरी कर ले गए। अधिवक्ता घटना के समय कोर्ट में गए थे। पड़ोसियों से पता लगा कि अनजान व्यक्ति घर में घुसकर चोरी कर ले गया। पुलिस ने उनके बयान पर भी मुकदमा दर्ज कर लिया है।

विजेता विद्यार्थियों को बांटे पुरस्कार

- नव ज्योति शिक्षा सदन में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

प्रतिभागी विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए स्कूल निदेशक राजेन्द्र कौशिक व अन्य।

नव ज्योति शिक्षा सदन में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें ज्ञान केसरी प्रतियोगिता में प्रथम ,द्वितीय व तृतीय आने वाले विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार व उपहार देकर सम्मानित किया गया।स्कूल के निदेशक राजेन्द्र कौशिक ने संबोधित करते हुए कहा कि यह ज्ञान केसरी -2 प्रतियोगिता थी। गत वर्ष भी इस प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया था। नव ज्योति स्कूल ऐसी प्रतियोगिताएं समय-समय पर करवाता रहता है। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। अभिभावकगण व विद्यार्थियों के लिए उचित जलपान की व्यवस्था की गई। निदेशक राजेंद्र कौशिक ने बताया कि 25 वर्षों से नव ज्योति शिक्षा सदन नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। स्कूल के शिक्षकों ने छात्रों को बधाई दी।

समाज कार्य विभाग में कॅरियर गाइडेंस की जानकारी दी

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के प्राध्यापकों द्वारा राजकीय महिला महाविद्यालय, मतलौडा में छात्राओं को कॅरियर गाइडेंस व समाज कार्य विषय के बारे में जागरूक करने के लिए महाविद्यालय का दौरा किया गया।

कार्य विभाग के प्राध्यापक सोहन लाल ने बताया कि समाज कार्य एकमात्र ऐसा विषय है जिसमें किताबी ज्ञान व क्षेत्र कार्य अभ्यास के माध्यम से कौशल विकास किया जाता है। डॉ. दीपाली माथुर ने बताया कि इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं तथा छात्राएं कॅरियर विकास के लिए समाज कार्य को एक अच्छे विकल्प के रूप में चुन सकती हैं।

छात्रों ने पोस्टर व बैनर से बताया स्वास्थ्य का महत्व

स्वास्थय दिवस पर प्रतियोगिता में पोस्टर बनाते हुए स्कूल के छात्र ।

- हैप्पी चाइल्ड इंटरनेशनल स्कूल में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

हैप्पी चाइल्ड इंटरनेशनल स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों व प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे विद्यालय की पहली कक्षा से लेकर आठवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने आकर्षक पोस्टर व स्लोगन बनाये जिसमे मनन, पायल, शीनम, हिमांगी, खनक, छवि, मोहित व नूरसभा प्रथम स्थान पर रहे। इसके साथ ही छात्र-छात्राओ ने स्वास्थ्य को लेकर अपने विचार सभी के सामने प्रस्तुत किये। विद्यार्थियों ने एक्ट के माध्यम से बताया कि फास्ट फूड हमारे स्वास्थ्य के लिए कितना हानिकारक है हमें उनसे परहेज करना चाहिए। स्कूल के प्रबंधक सुनील नागपाल, प्रधानाचार्या उषा मलिक ने विद्यार्थियों को बताया कि पूरे विश्व में स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को घर में बना खाना खाने के लिए प्रेरित किया और घर में बने खाने के फायदे बताए।

आस्था दतौली में बाबा अलख गिरी महाराज की बरसी पर लगा भंडारा

संतों और महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलकर अपना जीवन सफल बनाएं : वीरेंद्र कादियान

महापुरुषों का चिंतन सांसारिक लोगों से भिन्न होता है, क्योंकि वह जब भी सोचते हैं तो शुभ ही सोचते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गन्नौर। मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स एमडी एवं समाजसेवी वीरेंद्र कादियान संतो का अशीर्वाद लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

गांव दतौली स्थित शिव मंदिर परिसर में बाबा अलख गिरी महाराज व बाबा शुद्ध गिरी महाराज व बाबा मंगल गिरी महाराज की बरसी पर शनिवार को विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें गांव के अलावा आसपास से काफी तादाद में लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले महंत नारायण गिरी जी महाराज की अध्यक्षता में हवन यज्ञ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के तौर पर पहुंचे मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स एमडी एवं समाजसेवी वीरेंद्र कादियान ने भी यज्ञ में आहुति देकर क्षेत्र में सुख-समृद्धि की कामना की और गणेश जी महाराज और प्रेमदास महाराज से आशीर्वाद लिया। मुख्यातिथि वीरेंद्र कादियान ने कहा कि हम संतों और महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलकर ही अपना जीवन सफल बना सकते है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों का चिंतन सांसारिक लोगों से भिन्न होता है। क्योंकि वह जब भी सोचते है तो शुभ ही सोचते है। इंसानियत के भले के लिए ही सोचते है। जहां इंसान चिंता को चिंतन समझने की भूल कर बैठता है, वहीं पर महापुरुषों के चिंतन में चिंता का हरण करने वाले प्रभु ही होते है। उन्होंने कहा कि हमेशा परोपकार के कार्य करें तो भगवान की कृपा हासिल होती है और इंसान प्रभु परमात्मा से जुड़ता है। उसकी जिंदगी से मुश्किलों और कठिनाईयों का अंत होता है। इस अवसर पर गोस्वामी समाज के प्रधान हरबीर, सुनील मिंटा, रणधीर, राजेंद्र गोस्वामी पूर्व चेयरमैन, ओमप्रकाश, रोहताश, कृष्ण आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक, रविवार 7 अप्रैल 2024

हेल्दी रहने के लिए अच्छा पौष्टिक भोजन, व्यायाम और आसन करना तो जरूरी है ही, साथ ही मन से आनंदित रहना भी जरूरी है, तभी आप स्वस्थ, खुश और संतुष्ट रह सकते हैं। मन से आनंदित रहने के लिए आपको अपनी जीवनशैली में दस फंडों को अपनाना होगा। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं, इन्हीं दस फंडों के बारे में।

विश्व स्वास्थ्य दिवस आज

जिंदगी के मकान में जरूर हों ये 10 कमरे

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

हम में से अधिकतर लोग सोचते हैं कि भरपूर धन-दौलत से ही आसानी से जिंदगी में स्वस्थ रह सकते हैं, खुशी महसूस कर सकते हैं। लेकिन ऐसा पूरी तरह सच नहीं है। दर्जनों प्रेरक पुस्तकें लिखने वाले विद्वान लेखक डॉ. फ्रैंक क्रेन ने अच्छी सेहत और खुशहाल जिंदगी पाने के अचूक नुस्खे एक लेख में बताए हैं। यह लेख 'द अमेरिकन मैगजीन' में करीब सौ साल पहले (1920 के आस-पास) छपा था। इस लेख में उन्होंने स्वास्थ्य से संबंधित कई अनमोल सूत्र बताए हैं।

कला से लगाव : यह दुनिया खूबसूरत चीजों से भरी हुई है। लेकिन उस खूबसूरती का लुत्फ उठाना आप तभी सीख पाएंगे, जब आपको कला की समझ होगी। इसलिए कला से लगाव बढ़ाएं। जब आप कला की कद्र करने लगेंगे तो आपको इससे ऐसी खुशी मिलने लगेगी, जैसी भूख लगने पर स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होने पर मिलती है। चित्रकला हो, काष्ठकला या मूर्तिकला जिसमें आपका मन रमे, उसमें कुछ समय जरूर दें।

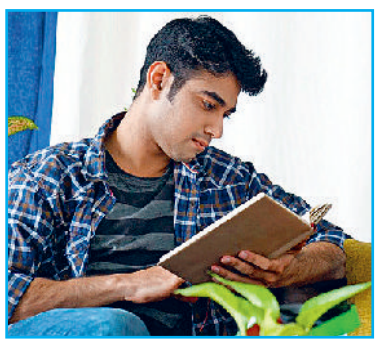

साहित्य से प्रेम : जिसे साहित्य पढ़ने में रुचि होती है, उसे इसमें ढेर सारी खुशी और ज्ञान प्राप्त होता है। इसमें रुचि लेने से वैचारिक स्तर पर आप समृद्ध होते जाएंगे। साहित्य से प्रेम करेंगे, तो आपको जीवन से प्रेम होने लगेगा और ताजगी महसूस करने लगेंगे।

संगीत का आनंद : डॉ. फ्रैंक के अनुसार जिसे संगीत से प्यार नहीं, वो दुनिया का सबसे गरीब आदमी कहा जा सकता है। जिंदगी में सुर और ताल बनाए रखने के लिए संगीत में रुचि बहुत कारगर साबित होती है। यकीन करें, अगर आप अपनी आत्मा को संगीत से सींचेंगे तो आपको आलौकिक आनंद महसूस होने लगेगा।

घुमक्कड़ी का शौक : शहरों में रहने वाले अधिकतर लोग दिन हो या रात चारदीवारी में ही घिरे रहते हैं। अधिकांश समय खुली, ताजा हवा में सांस नहीं ले पाते। स्वस्थ रहना है तो खुला आसमान, हरियाली भरे जंगल, जीवंतता के प्रतीक झरने आदि का आनंद उठाना सीखें। कभी खुले आसमान के नीचे लेट कर आकाश के तारे निहारें, हरी दूब पर लेटें, ताजा हवा के झोंकों में खुद को खुला छोड़ दें, पहाड़ों की गोद में यूं ही घूमने चले जाएं, फिर देखिए कैसी खुशी मिलती है!

संवेदनशील मन: संवेदनशील बनना भी स्वस्थ रहने के लिए बहुत कारगर है। हृदय के दरवाजे हमेशा खोल कर रखें। दूसरों के सुख-दुख को महसूस करें और उनमें शरीक हों। स्नेह, प्यार, मित्रता, रिश्ते आदि सुख और खुशी देते हैं। इससे मन में सकारात्मकता बढ़ती है, जो स्वस्थ रहने में बहुत मददगार होती है।

बच्चों से जुड़ाव : अपने जीवन को सेहतमंद और खुशहाल बनाने के लिए बच्चों से जुड़ना भी बहुत प्रभावी होता है। बच्चे जिंदगी के मकान का बेहद अहम हिस्सा होते हैं। इनसे जुड़ेंगे तो आप रोजमर्रा के अपने दुख-दर्द भूल जाएंगे।

खेलकूद में रुचि : क्या आप अखबार में आने वाले स्पोर्ट्स पेज को पढ़ते हैं? चेस, टेनिस, क्रिकेट कोई भी खेल खेलते हैं? अगर नहीं तो आपको पता होना चाहिए कि जो लोग खेलकूद पसंद नहीं करते, वे स्वास्थ्य और खुशी की दृष्टि से दुनिया के गरीब लोगों में शुमार होते हैं। अगर आप खेलते हैं या खेलकूद की गतिविधियों में दिलचस्पी लेते हैं, तो आप जीवन के कठिन दौर में भी खुश रहने की कला सीख लेंगे।

आनंद की अनुभूति : अपनी दिनचर्या की छोटी-छोटी चीजों में आनंद ढूंढ़ने की आदत आपको बहुत खुश और स्वस्थ बना सकती है। अपने बिस्तर की नरमी, भोजन का स्वाद और सुगंध, कपड़ों के रंग और डिजाइन, नंगे पांव मिट्टी पर चलने, ऑफिस की चाय, घर से दफ्तर तक का सफर, स्नान से मिलने वाली ऊर्जा और शांति आदि सब में आनंद के पल ढूंढ़े जा सकते हैं। शुरुआत में भले कुछ असहज लगे लेकिन कुछ समय बाद आप जीवन के हर पल में आनंद महसूस करने लगेंगे।

ईश्वर में आस्था : अध्यात्म और ईश्वरीय शक्ति में आस्था सचमुच सुकून और राहत देती है। ईश्वर में आस्था आपको सकारात्मकता और ऊर्जा से भर देती है। जो लोग प्रार्थना, अध्यात्म, सुपर नेचुरल पावर आदि की ताकत महसूस करते हुए भी खुद को बुद्धिजीवी करार देने के लिए इनसे दूर रहते हैं, वे सचमुच जीवन के आनंद से महरूम रहते हैं।

अपने काम से प्यार : हम सब को जीविका के लिए कोई न कोई काम करना पड़ता है। लेकिन हममें से ज्यादातर काम को बोझ समझते हैं। जरा सोचकर देखिए कि अगर आप काम में व्यस्त नहीं रहते, हर रोज संघर्ष न करते, मन में कोई लक्ष्य न होता, किसी से कोई आशा न होती तो आपकी जिंदगी कितनी रीती और सूनी होती? यकीन नहीं होता, तो दो-तीन दिन बिना कुछ किए घर में पड़े रहकर देखें, कितना उदास और बीमार महसूस करने लगेंगे, इसलिए प्रोफेशन का आनंद उठाएं। इसे एंज्वॉय करेंगे तो कभी भी वर्क प्रेशर महसूस नहीं होगा और आप स्ट्रेस, टेंशन, एंग्जाइटी से मुक्त रहते हुए स्वस्थ जीवन जिएंगे। *

मेडिकल केयर से अधिक लाभकारी है सेल्फ केयर

यह सही है कि बीमार होने पर हमें मेडिकल केयर की जरूरत पड़ती है। लेकिन सवाल है कि हम बीमार ही क्यों पड़ते हैं? अगर हम अपनी जीवनशैली के साथ आहार में समुचित बदलाव कर लें और सेल्फ केयर करें तो मेडिकल केयर की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज

भगवान गौतम बुद्ध की उक्ति है-स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा संबंध है। इसी से समझा जा सकता है कि अच्छे स्वास्थ्य का हम सभी के जीवन में कितना महत्व होता है? जिसका शरीर स्वस्थ है, वही स्वस्थ कार्य कर सकता है। इसीलिए तो हम हमेशा अपने प्रियजनों के लिए खुशी और स्वास्थ्य की कामना रखते हैं, क्योंकि कोई भी व्यक्ति बीमार होकर अपनी मेहनत की कमाई को डॉक्टर और दवाइयों पर जाया करना नहीं चाहता। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ कहलाता है, जब वह स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करे। दुर्भाग्य से आज के आधुनिक जगत की इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास पर्याप्त समय ही नहीं होता कि वे अपने स्वास्थ्य की जांच समय-समय पर कराते रहें। इसलिए कुछ लोग स्वस्थ दिनचर्या को अपनाकर रोगों से दूर रहने की कोशिश करते हैं, किंतु उनका यह प्रयास अनेक प्रकार के सामाजिक दबाव के कारण उतना सफल नहीं हो पाता है, अंततोगत्वा निराश होकर वे अस्वस्थ जीवनशैली को अपना लेते हैं। हम यह अकसर भूल जाते हैं कि मां प्रकृति ने हमें, हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक सब कुछ प्रदान किया है। जरूरत है एक स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली को अपनाने की।

दवाओं पर कम करें निर्भरता: आज, दवा की गोलियां, कैप्सूल अधिकतर लोगों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। इसकी वजह यह है कि समय की कमी और व्यस्त जीवनशैली के कारण हम हमेशा स्वयं की देखभाल यानी कि 'सेल्फ केयर' की तुलना में चिकित्सा यानी कि 'मेडिकल केयर' को अधिक पसंद करते हैं। हम जंक फूड, जरूरत से ज्यादा खाना, व्यायाम और उचित आराम न करना, भावनात्मक अस्थिरता, धूम्रपान और मद्यपान जैसी अनेक गलत आदतों के जाल में इस कदर फंसे हुए हैं कि हमें इस बात का एहसास तक नहीं होता कि इन सभी आदतों का हमारे स्वास्थ्य पर खतरनाक प्रभाव पड़ रहा है। तो फिर क्यों न एक स्वस्थ जीवनशैली को अपनाया जाए? पर क्या यह इतना सरल है? जी हां! बिल्कुल सरल हैं।

जीवनशैली में करें सुधार: यदि अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए हम कुछ छोटे-मोटे परिवर्तन अपनी दिनचर्या में लाएं तो हम एक समग्र संतुलित स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। मसलन, जल्दी सोना और जल्दी उठना, इस आदत को यदि हम गंभीरता से अपना लें, तो प्रातःकाल से लेकर रात्रि तक हमारा दिन बहुत अच्छा बीतेगा। इसी प्रकार से सुबह को या शाम को यदि हम कुछ हल्का-फुल्का व्यायाम, जैसे कि सैर, जॉगिंग आदि को सिर्फ आधा घंटा कर लें, तो हम एक नई स्वस्थ पहल कर सकते हैं।

पौष्टिक भोजन का सेवन: पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, आरोग्य का सबसे मुख्य भाग है, संतुलित आहार। जी हां! डाइटिंग के नाम पर अपने को भूखा रखना हानिकारक सिद्ध हो सकता है, इसके बजाय अपनी भोजन शैली में व्यावहरिक परिवर्तन कर सारे पौष्टिक तत्वों से भरपूर भोजन लेने के नियम का पालन करना और यदा-कदा रूप में कुछ भी खा लेने की आदत से बचना ज्यादा हितकारक है।

ध्यान का सकारात्मक प्रभाव: पिछले कुछ वर्षों में किए गए चिकित्सा अनुसंधानों के द्वारा यह तथ्य सामने आया है कि 'अध्यात्म', मानव चरित्र का एक ऐसा महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो उसके भावनात्मक पक्ष को प्रभावित करता है, अतः उसकी उपेक्षा करना नुकसानकारक सिद्ध हो सकता है। इसीलिए विश्व भर के चिकित्सक आज दवाई के साथ-साथ अपने मरीजों को ध्यान (मेडिटेशन) करने की राय देते हैं, क्योंकि उनका यह स्पष्ट मानना है कि ध्यान के द्वारा मनुष्य अपने दिन-प्रतिदिन की नकारात्मकता से दूर रह सकता है और वह उनके शारीरिक स्वास्थ्य के बेहतरी में भी सहायक होगा। याद रहे! अपनी केयर खुद करें ताकि मेडिकल केयर से बचे रहें। *

आगामी मंगलवार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवरात्र और नवसंत्सर का शुभारंभ हो रहा है। इस तिथि का जितना प्राकृतिक, ज्योतिषीय और धार्मिक महत्व है, उतना ही सांस्कृतिक महत्व भी है। इससे जुड़ी पौराणिक-सांस्कृतिक महत्ता पर एक दृष्टि।

नवसंवत्सर 2081 नवारंभ का सांस्कृतिक उत्सव

पर्व-संस्कृति / डॉ. घनश्याम बादल

हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल चैत्र प्रतिपदा से नया विक्रम संवत शुरू हो जाता है। एक बार फिर कालचक्र के परिवर्तन के साथ नववर्ष दस्तक दे रहा है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानी 9 अप्रैल मंगलवार से नव विक्रम संवत्सर 2081 आरंभ हो रहा है। साथ ही इस दिन से ही चैत्र नवरात्र भी आरंभ हो रहे हैं।

ज्योतिषीय-पौराणिक मान्यताएं: ज्योतिषीय पंचांग के अनुसार नव संवत्सर 2081 का नाम क्रोधी और पंचांग भेद से इसका नाम कालयुक्त है। इसका राजा मंगल और मंत्री शनि होंगे। ज्योतिष के अनुसार इस वर्ष ग्रहों के दशाधिकार में सात विभाग क्रूर ग्रहों को और तीन शुभ ग्रहों को मिले हैं। मंगल के राजा और शनि के मंत्री होने से इस वर्ष के उथल-पुथल भरा रहने की आशंका है। मान्यता है कि नए संवत्सर में ब्रह्मांड में नई व्यवस्था का गठन भी होता है। मान्यता यह भी है कि ब्रह्मा जी ने सृष्टि का आरंभ इसी तिथि से किया था। यह भी माना जाता है कि सबसे पहले सतयुग का प्रारंभ इसी तिथि यानी चैत्र प्रतिपदा से हुआ था। यह तिथि सृष्टि के कालचक्र प्रारंभ और पहला दिन भी माना जाता है। इसी दिन भगवान विष्णु ने दशावतार में से पहला मत्स्य अवतार लेकर प्रलयकाल में अथाह जलराशि में से मनु की नौका को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था। प्रलयकाल समाप्त होने पर मनु से ही नई सृष्टि की शुरुआत हुई। हिंदू विक्रम संवत, अंग्रेजी कैलेंडर के वर्ष से 57 वर्ष आगे होता है। चैत्र नवरात्र की प्रतिपदा तिथि से अगले 9 दिनों तक देवी दुर्गा की उपासना का महापर्व नवरात्र भी आरंभ होता है।

सांस्कृतिक धरोहर : राष्ट्रीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रतीक की शुरुआत इस चैत्र नवरात्र से ही होती है। महाराष्ट्र में इस दिन को गुड़ी पड़वा और दक्षिण भारत में इसे उगादि के रूप में मनाया जाता है।

शुक्ल पक्ष से आरंभ होता नववर्ष: यह नववर्ष किसी जाति, वर्ग, देश, संप्रदाय का नहीं अपितु संपूर्ण मानवता का नववर्ष है। यह पर्व विशुद्ध रूप से भौगोलिक पर्व है, क्योंकि प्राकृतिक दृष्टि से भी इस दौरान वनस्पतियों, फूलों और पत्तियों में भी नयापन दिखाई देता है। हिंदू कैलेंडर में कुल 12 माह होते हैं- चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन। हिंदू कैलेंडर के सभी महीने नक्षत्र के नाम पर रखे गए हैं। पूर्णिमा तिथि पर जो नक्षत्र रहता है, उसी नक्षत्र के नाम पर हिंदी महीनों के नाम रखे गए हैं। जैस चैत्र का महीना चित्रा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है, इसी प्रकार वैशाख, विशाखा के नाम पर, ज्येष्ठ, ज्येष्ठा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है। एक प्रश्न यह उठता है कि चैत्र महीना हिंदू नववर्ष का पहला महीना होता है, जो होली के बाद शुरू हो जाता है। यानी फाल्गुन पूर्णिमा तिथि के बाद चैत्र कृष्ण प्रतिपदा लग जाती है फिर भी उसके 15 दिन बाद नया हिंदू नववर्ष क्यों मनाया जाता है? इसका उत्तर यह है कि हिंदू पंचांग के अनुसार कृष्ण पक्ष, पूर्णिमा से अमावस्या तिथि के 15 दिनों तक रहता है और कृष्ण पक्ष के इन 15 दिनों में चंद्रमा धीरे-धीरे लगातार घटने के कारण पूरे आकाश में अंधेरा छाने लगता है। सनातन धर्म का आधार हमेशा अंधेरे से उजाले की तरफ बढ़ने का रहा है यानी 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'। इसी वजह से चैत्र माह के लगने के 15 दिन बाद जब शुक्ल पक्ष लगता है तभी प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष मनाया जाता है। अमावस्या के अगले दिन शुक्ल पक्ष लगने से चंद्रमा हर एक दिन बढ़ता जाता है, जिससे कालक्रम अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ता है।

क्या है प्रतिपदा: हिंदू पंचांग की प्रथम तिथि प्रतिपदा कही जाती है। यह तिथि मास में दो बार आती है पूर्णिमा के पश्चात और अमावस्या के पश्चात। पूर्णिमा के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा और अमावस्या के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा कहा जाता है। शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से चंद्रमा पूर्णता की ओर बढ़ता है, अतः इसे प्रतिपदा कहते हैं। शुक्ल पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 0 से 12 डिग्री तक होता है, जबकि कृष्ण पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 181 से 192 डिग्री तक होता है, तब प्रतिपदा तिथि होती है। कृष्ण प्रतिपदा को चंद्रमा की प्रथम कला होती है। शुक्ल पक्ष प्रतिपदा में चंद्रमा अस्त रहता है। कृष्ण पक्ष प्रतिपदा में स्थिति एकदम विपरीत होती है। कृष्ण प्रतिपदा में चंद्र अपने ह्रास की ओर बढ़ता है। अतः कह सकते हैं कि हिंदू संस्कृति में नया वर्ष आनंददायक भाव के साथ शुरू किया जाता है। *

शुभकामना गीत / शिवचरण चौहान

नव संवत्सर मंगलमय हो !

भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हमारी।
नए वर्ष की शुभ तिथि प्यारी।।
भारत की सर्वत्र विजय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
ऋतु बसंत पावन, मनभावन।
चैत्र मास नव मास सुहावन।।
महाराज विक्रम की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
पूरित शस्य धरा अति पावन।
नव पल्लव फल-फूल सुहावन।।
ग्रह नक्षत्र शुभ मंगलमय हो।
भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।

कहानी
रेखा शाह आरबी

लाल गमछा

रामदीन रोज रेल की पटरियों के किनारे वाले जंगल में अपनी बकरियां चराने ले जाता था। यहां बड़ी-बड़ी और मुलायम घास बकरियों को आसानी से उपलब्ध हो जाती थी। रामदीन पढ़ा-लिखा नहीं था। बचपन में मात्र चार-पांच दिन ही स्कूल गया था। उसका स्कूल में मन नहीं लगा तो स्कूल जाना छोड़ दिया। उसने घर में अपनी बकरियों को चराने की जिम्मेदारी ले ली।

उस दिन बकरियां जंगल में घास चर रही थीं। रामदीन कोई गीत गुनगुनाते हुए पटरियों के किनारे टहल रहा था। अचानक उसकी नजर रेल की टूटी पटरी पर पड़ी। वह चौंका, 'हे भगवान! यहां तो रेल की पटरी टूटी हुई है। रेल आएगी तो दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगी।'

रामदीन ने सोचा गांव जाकर लोगों को खबर करे, लेकिन गांव दूर था। दोपहर बाद शाम शुरू होते ही आने वाली ट्रेन का टाइम हो रहा था। वह सोच में पड़ गया, यदि ट्रेन आ गई तो भयंकर दुर्घटना हो जाएगी। ना जाने कितनी जानें चली जाएंगी, कितने लोग हताहत हो जाएंगे। दोपहर खत्म हो रही थी। ठीक इसी समय ट्रेन आती थी, रामदीन को पता था। क्योंकि रोज वह बकरियों को चराकर इसी समय अपने गांव की ओर वापस लौटता था। वह जाती हुई उस ट्रेन के यात्रियों को हाथ हिलाकर अभिवादन करता था। यात्री भी उसे इस तरह हाथ हिलाते देखकर मुस्कुराते हुए अपने हाथ हिलाकर उसके अभिवादन का जवाब देते थे।

रामदीन का दिमाग सुन्न हो रहा था। उसे समझ में नहीं आ रहा था, करे तो क्या करे? कैसे ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाए? उसे अचानक याद आया, जब वह बचपन में चार-पांच दिन के लिए स्कूल गया था तो मास्टर जी ने बच्चों को बताया था कि यदि आपातकाल में कभी ट्रेन रुकवानी पड़े तो तुम किसी भी लाल रंग के कपड़े को ट्रेन के ड्राइवर को दिखाओ, ड्राइवर ट्रेन रोक देगा, क्योंकि लाल रंग खतरे का प्रतीक होता है। ड्राइवर समझ जाएगा कि आगे कहीं कुछ खतरा है, इसलिए ट्रेन रुकने का इशारा किया जा रहा है।

रामदीन ने अपने कपड़े देखे। उसने देखा, गले में लाल रंग का गमछा पड़ा हुआ है। उसने अपने डंडे में गमछे के दोनों सिरों को बांधा और पटरी के पास खड़ा हो गया। कुछ ही देर में उसे दूर से ट्रेन के आने की आवाज सुनाई दी। वह डंडे में बंधे लाल गमछे को हिलाते हुए ट्रेन की दिशा में दौड़ पड़ा।

ड्राइवर ने दूर से ही देख लिया था, एक व्यक्ति लाल रंग का कपड़ा लहराते हुए ट्रेन की तरफ आ रहा है। वह समझ गया कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है, उसने ट्रेन रोक दी।

ट्रेन रुकने के बाद ड्राइवर, गार्ड, टीटी और कुछ यात्री उतर कर रामदीन के पास आए। उसने सबको ट्रेन की टूटी पटरी दिखाई। टूटी पटरी देखकर लोग दंग रह गए। ड्राइवर बोला, 'आपने एक बहुत बड़ी दुर्घटना होने से बचाई है, लोगों की जान बचाई है।'

तुरंत स्टेशन से इंजीनियरों की टीम बुलाकर पटरियों की मरम्मत करवाई गई। ट्रेन जब अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई तो टीटी, ड्राइवर, गार्ड और यात्रियों ने हाथ हिलाकर रामदीन के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

शाम होते ही रामदीन अपनी बकरियों को लेकर घर आ गया। रात को जब रामदीन अपनी खाट पर सोने के लिए लेटा तो सोच रहा था- 'मैं जब चार-पांच दिन स्कूल गया तो मुझे इतना ज्ञान मिल गया कि एक ट्रेन के कितने सारे लोगों की जान बचा ली। अगर लंबे समय तक शिक्षा ग्रहण की होती तो मैं ना जाने कितने और बड़े-बड़े काम करने के लिए समक्ष हो जाता।'

उसी रात रामदीन ने मन ही मन संकल्प लिया कि वह तो अनपढ़ रह गया, लेकिन अपने बच्चों को अनपढ़ नहीं रहने देगा। जल्द ही अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला कराएगा। *

खरी-खरी / अशोक अंजुम

चुनावी मौसम में

बेईमानी, झूठ के सब कारखाने चल पड़े।
लो सभी नेता स्वयं को आजमाने चल पड़े।
जो सदा करते रहे बातें उजालों की यहां,
वे तिमिर के वंशजों के गीत गाने चल पड़े।
आ गया मतदान का मौसम, 'रे पंछी जाग जा'
फिर शिकारी वायदों के लेके दाने चल पड़े।

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

इस सृष्टि की संपूर्ण शक्ति की स्रोत आदिशक्ति मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना का पर्व नवरात्र, आगामी मंगलवार से आरंभ हो रहे हैं। इस दौरान प्रकृति भी अपना पुराना आवरण त्याग कर नया स्वरूप धारण करती है। ऐसे संक्रांति काल में पवित्र मन से उपासना करने पर मां शक्तिस्वरूपा की कृपा अवश्य प्राप्त होती है।

चैत्र नवरात्र शक्ति की कामना का उत्सव

{ आस्था / सरस्वती रमेश }

धार्मिक ही नहीं ज्योतिष की दृष्टि से भी चैत्र नवरात्र का विशेष महत्व है, क्योंकि इस दौरान सूर्य का राशि परिवर्तन होता है। यह अपनी आत्मशक्ति को जागृत करने और सात्विक गुणों को विकसित करने के लिए सबसे उपयुक्त समय माना जाता है। नवरात्र में हम देवी के नौ रूपों की अर्चना करते हैं। असल में ये नौ रूप हमारी विभिन्न मनोदशाओं के परिष्कार, उनकी शुद्धि से जुड़े हुए हैं। तरह-तरह की तामसिक प्रवृत्तियां हम सब के इर्द-गिर्द विचरण करती रहती हैं। नवरात्र के दौरान किया जाने वाला तप, उपवास हमें इन नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त कर शुद्ध और सृजनशील बनाता है। इसलिए चैत्र नवरात्र को आध्यात्मिक साधना से शक्ति अर्जित करने का सबसे उपयुक्त समय माना जाता है।

संपूर्ण सृष्टि की स्रोत आदिशक्ति

यह संपूर्ण सृष्टि, शक्तिस्वरूपा में निहित सृजनात्मकता का प्रतिफल है। इस सृजनात्मकता का आरंभ आदिशक्ति से माना जाता है। हमारी पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस सृष्टि के सृजन के लिए आदिशक्ति के अंश स्वरूप ब्रह्मा, विष्णु और शिव की उत्पत्ति हुई थी, जिन्होंने इस ब्रह्मांड की परिकल्पना की। नवरात्र पर्व स्त्री शक्ति की इसी सृजनात्मकता और उसके अनगिन रूपों की आराधना का पर्व है। आदिशक्ति संसार की सभी शक्तियों का केंद्र बिंदु हैं। इसलिए नवरात्र में देवी की उपासना से हमें मानसिक, आध्यात्मिक हर तरह की शक्ति प्राप्त हो सकती है। हमारी वैदिक संस्कृति के अनुसार प्रत्येक नारी अपने आप में दैदीप्यमान ज्योतिर्मयी सत्ता है। यानी आदिशक्ति का ही प्रतीक रूप। अपने भीतर की शक्ति को जागृत करने के लिए आदिशक्ति से शक्ति की कामना का ही पर्व है नवरात्र।

उपवास से उपासना

नवरात्र के नौ दिन साधना और संयम के साथ आत्मजागरण करने का अवसर होता है। बिना संयम और चित्त पर नियंत्रण किए साधना नहीं की जा सकती। चित्त के हठीले संस्कार, लोभ, ईर्ष्या, जड़ता, भय जैसी नकारात्मक शक्तियां हमारे आगे बढ़ने की राह में सबसे बड़ी बाधा होती हैं। इनसे पार पाने के लिए नियमित साधना आवश्यक है। नवरात्र के दौरान किए जाने वाले उपवास से इस साधना पथ पर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है। साधना हमारे भावनात्मक संतुलन को साधती है। आंतरिक शक्ति का विस्तार कर संकल्पों को साकार करने में मदद करती है। मानसिक विकारों को दूर करती है और आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने के लिए सात्विक शक्तियों का बीजारोपण करती है।

साधना का उद्देश्य

नवरात्र में उपवास और साधना का उद्देश्य स्व को परिमार्जित करना होता है। जिस तरह हमारा बाहरी व्यक्तित्व हमारे कपड़ों, गहनों और आचार-विचार से निर्धारित होता है, ठीक उसी तरह हमारा आंतरिक व्यक्तित्व आत्मसंयम, आत्मबल, इच्छाशक्ति, विवेक और ज्ञान से परिभाषित होता है। साधना के द्वारा ज्ञान और विवेक अर्जित किया जा सकता है। इसके अलावा साधना आत्म से साक्षात्कार का सबसे बड़ा माध्यम होती है। आत्म से साक्षात्कार समस्त शक्तियों और ज्ञान के मूल से परिचित होना है। बिना आत्म से मिले हुए कोई भी साधना अपूर्ण ही मानी जाएगी क्योंकि आत्म से मिलन अपनी चेतना में आदिशक्ति के अंश को पहचानना है। उसे अपने भौतिक जीवन में उतारना है। उसकी प्रेरणा से अपने जीवन की दिशाएं तय करना है।

उपासना से होता है कल्याण

चैत्र मास में प्रकृति अपने सुंदरतम रूप में व्याप्त होती है। प्रकृति का यह उल्लास पूरे वातावरण पर प्रभाव डालता है। मान्यता है कि इस दौरान आध्यात्मिक साधना करने वालों पर सृष्टि में पर्याप्त सकारात्मक ऊर्जा दैवीय अनुकंपा के रूप में बरसती है। इस तरह प्रकृति से प्राप्त ऊर्जा का संयोजन आध्यात्मिक ऊर्जा से होता है। साधक के मन-मस्तिष्क और आचार-विचार का कायाकल्प हो जाता है। यानी हर तरह से हमारा कल्याण होता है। आत्मचेता मनुष्य सिर्फ अपने जीवन में बदलाव नहीं लाते बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाकर जीवन में सार्थकता लाते हैं। *

स्त्रियों में विद्यमान देवी अंश

शक्ति स्वरूपा देवी का अंश स्त्रियों में भी विद्यमान होता है। इसीलिए उनकी ऊर्जा निरंतर और अक्षुण्ण होती है। बात संस्कार की हो या समर्पण की, कर्तव्य की हो या अपनत्व की इस सांसारिक यात्रा में स्त्रियां निरंतर सक्रिय रहती हैं, अपना दायित्व निभाती रहती हैं। उनमें मौजूद विभिन्न गुणों के आधार पर ही उन्हें लक्ष्मी, सरस्वती, काली और दुर्गा का अंश कहा जाता है। हम नवरात्र में दुर्गा जी की आराधना अवश्य करें लेकिन साथ ही शक्ति का अंश धारण करने वाली स्त्रियों को भी घर, बाहर और समाज में हर जगह आदर-सम्मान देना कभी ना भूलें।

इंद्रधनुषी पर्व-संस्कृति का गुलदस्ता है बैसाखी

आगामी 13 अप्रैल को बैसाखी का पर्व मनाया जाएगा। यह पर्व जहां एक तरफ किसानों के उल्लास का प्रतीक है तो साथ ही यह कई धर्मों के अनुयायियों के लिए भी महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। इसे देश में कई रूपों में मनाया जाता है।

{ पर्वोल्लास / दिव्यज्योति 'नंदन' }

बैसाखी एक ऐसा पर्व है, जिसके नाम लेते ही मन में रंग-बिरंगे परिधानों में सजे सिख समुदाय के हमारे भाइयों की भांगड़ा करती छवि तैर जाती है। लेकिन बैसाखी सिर्फ पंजाब, हरियाणा भर का त्योहार नहीं है।

फसल तैयार होने का उल्लासः बैसाखी का यह पर्व होली के बाद रबी के फसल के पककर तैयार हो जाने और किसान भाइयों द्वारा इसकी भीनी-भीनी खुशबू से रोमांचित होकर दर्शाई गई खुशी और उमंग का नाम है। चूंकि रबी की फसल सिर्फ पंजाब, हरियाणा या उत्तर भारत में ही नहीं पैदा होती बल्कि पूरे भारत में थोड़े-थोड़े अंतराल के बीच दस्तक देती है। इसलिए देश के कई प्रांतों में बैसाखी के आस-पास कई ऐसे पर्व मनाए जाते हैं, जिनका संबंध प्राचीन भारतीय संस्कृति में बहुत गहरे तक जुड़ा हुआ है।

कई धर्मों से जुड़ा पर्वः बैसाखी वास्तव में वैशाख मास की संक्रांति है यानी, सौर मास का प्रथम दिन। बैसाखी हिंदू कैलेंडर के वैशाख महीने का अपभ्रंश है। बैसाखी के दिन सूर्य मेष राशि में संक्रमण करता है, इस कारण इसे वैदिक संस्कृति और ज्योतिष विधान में मेष संक्रांति या विषुवत संक्रांति भी कहते हैं।

बिहू पर्व पर नाचती-गातीं स्थानीय महिलाएं

बैसाखी विशुद्ध रूप से भारतीय उपमहाद्वीप का सांस्कृतिक पर्व है। इसलिए इसका जितना रिश्ता सिख धर्म से है, उतना ही हिंदू धर्म से भी है और उतना ही हिंदुस्तान में जन्मे बौद्ध और जैन धर्मों से भी है। यही वजह है कि बैसाखी का पर्व किसी न किसी रूप में पूरे देश में मनाया जाता है। बस फर्क इतना होता है कि अलग-अलग जगहों में इसका नाम अलग-अलग हो जाता है। इसे कहीं बसोआ, कहीं बिसुआ, कहीं जुड़ शीतल, कहीं पोहेला बौसाख, कहीं बिहू, कहीं विशु, कहीं पुथंडु कहते हैं। बैसाखी वास्तव में पकी फसल की सोंधी खुश्बू के उल्लास का पर्व है।

कई रूपों में मनाते हैं पर्वः बैसाखी का नाम लेते ही कानों में 'जट्टा आई रे बैसाखी...' की धुन गूंजने लगती है। देश के दूसरे हिस्सों में भी इस दिन सुर और ताल का खूब समां बंधता है। बैसाखी के दिन ही सिखों के दूसरे गुरु श्री अंगद देव जी का जन्म हुआ था और इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना आरंभ की थी। मान्यता है कि भगवान श्री राम का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था। इसी दिन केरल और तमिलनाडु में बिशु पर्व और असम में बिहू तथा पश्चिम बंगाल में पोएला बैशाख पर्व मनाया जाता है। इस दिन पूरे भारत में लोग पवित्र नदियों, सरोवरों में स्नान करते हैं। दान-पुण्य करते हैं और इन सभी स्नानस्थलों पर लगने वाले मेलों में शामिल होते हैं। पंजाब में तो इस दिन पूरे प्रांत में 100 से ज्यादा जगहों पर छोटे-बड़े मेले लगते हैं। इस दिन लोग सुबह-सुबह नहाकर मंदिरों और गुरुद्वारों में जाते हैं। गली-गली में लंगर लगाए जाते हैं। इस अवसर पर हर तरफ खुशी और उल्लास का वातावरण दिखाई देता है। चित्रकूट और प्रयाग में भी इस दिन पवित्र स्नान और मेलों का आयोजन होता है। उत्तर प्रदेश में खासकर बुंदेलखंड के इलाके में इस दिन लोग नहा-धोकर और पूजा करके सत्तू खाते हैं। देशभर में इस समय गेहूं की फसल कट रही होती है या कटनी शुरू होती है। इसलिए किसान इस त्योहार को फसलों के इर्द-गिर्द नाचते-गाते हुए मनाते हैं।

सिख समुदाय का पवित्र पर्वः गुरु गोविंद सिंह ने वैशाख माह की षष्ठी को ही खालसा पंथ की स्थापना की थी। सिख समुदाय के लोग इसलिए भी बैसाखी को बड़े उल्लास से मनाते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी ने 1699 ई. को बैसाखी पर श्री आनंदपुर साहिब में विशेष समागम किया था। इसमें देशभर की संगत ने आकर इस ऐतिहासिक अवसर पर अपना सहयोग दिया था। गुरु गोविंद सिंह जी ने इसी मौके पर संगत को ललकार कर कहा था, 'देश को गुलामी से आजाद करने के लिए मुझे एक शीश चाहिए।' गुरु साहिब की ललकार को सुनकर पांच वीरों दया सिंह खत्री, धर्म सिंह जट, मोहकम सिंह छीवां, साहिब सिंह और हिम्मत सिंह ने अपने-अपने शीश गुरु गोबिंद सिंह जी को भेंट किए थे। इन्हीं पांच वीरों के जरिए खालसा पंथ की स्थापना हुई थी, जिसने किस तरह संकट से घिरे हिंदू धर्म को बचाया, यह इतिहास के पन्नों में दर्ज है। *

{ रोचक / मच्छिंद्र ऐनापुरे }

दो महाद्वीपों में फैला देश अजरबैजान

इस पृथ्वी पर महाद्वीप, हम इंसानों द्वारा अपनी राजनीतिक सुविधा के लिए भौगोलिक सीमाओं का उपयोग करके बनाए गए विभाजन हैं। लेकिन अकसर प्रकृति का विभाजन बहुत सख्त नहीं होता और इसीलिए पृथ्वी पर दो महाद्वीपों में फैले देश मौजूद हैं। ऐसा ही एक देश है- अजरबैजान। यह देश पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया की सीमा पर स्थित है, इसलिए यह दोनों महाद्वीपों के बीच विभाजित है। एक तरफ कैस्पियन सागर और दूसरी तरफ काकेशस पर्वत के बीच बसा यह छोटा सा देश हमारे अपने देश के पश्चिम बंगाल राज्य से भी छोटा है।

इस देश की राजधानी बाकू, समुद्र तल से नीचे विश्व की सबसे निचली राजधानी है। बाकू शहर समुद्र तल से 92 मीटर नीचे है। बाकू शहर को वहां बहने वाली तेज हवाओं के कारण 'हवाओं का शहर' भी कहा जाता है। इस शहर में स्थित 'फ्लेम टावर्स' अपने अनूठे डिजाइन के कारण पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। ओल्ड सिटी सेंटर में एक पहाड़ी पर स्थित, ये टावर कैस्पियन सागर का सुंदर दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

देश का इतिहासः ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में एट्रोपेटस इस भूमि का शासक हुआ करता था। एट्रोपेटस शब्द का अर्थ है 'पवित्र अग्नि की भूमि।' इस देश में स्थित यानरदाग एक ऐसा स्थान है, जहां प्राकृतिक गैस से प्रज्ज्वलित आग देखी जा सकती है और लगातार जलती रहती है, इसलिए यह नाम अग्नि की भूमि से आया होगा। माना जाता है कि इसी एट्रोपेटस से इस देश का नाम अजरबैजान पड़ा।

अनोखे हैं तीन टावर्सः यहां स्थित तीन फ्लेम टावरों में सबसे ऊंचा दक्षिण में 39 मंजिला टावर है। इस आवासीय टावर में 130 लक्जरी अपार्टमेंट हैं। उत्तरी कोने में 36 मंजिला टावर में 318 कमरों वाला फेयरमोंट होटल है। पश्चिमी तरफ, कॉर्पोरेट ऑफिसेस वाला टावर है। इन टावरों का निर्माण 2007 में शुरू हुआ और 2012 में इनका निर्माण पूरा हुआ था। इन टावरों का आकार आग की लपटों जैसा है, लेकिन उनकी सतह एलईडी स्क्रीन से बनी है और ये स्क्रीन आग की लपटों का दृश्य प्रदर्शित करती हैं, जिन्हें शहर में कहीं से भी देखा जा सकता है। *

{ लाइफस्टाइल / किरण भास्कर }

जब लगाएं परफ्यूम इन बातों का रखें ध्यान

मॉडर्न लाइफस्टाइल में आपकी ड्रेस और दूसरी एक्सेसरीज की तरह आपका परफ्यूम भी आपकी पर्सनालिटी को दर्शाता है। कई लोग अपने को रिफ्रेश करने के लिए बार-बार परफ्यूम का छिड़काव करते हैं, जबकि कई लोग ऐसे परफ्यूम लगाते हैं, जिसकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। दरअसल, खुशबू में इस्तेमाल किए जाने वाले तेल का महत्व ज्यादा होता है। यही वजह है कि वे परफ्यूम ज्यादा महंगे होते हैं, जिनमें यूज किया गया तेल महंगा होता है।

परफ्यूम का असरः विभिन्न इलेक्ट्रो फिजियो-लॉजिकल अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि वास्तव में हमारे परफ्यूम की खुशबू या सुगंध हमारे मूड को तय करती है। यही नहीं फ्रेगरेंस का रिश्ता हमारे तनाव और भावनाओं से भी सीधे तौर पर होता है। कई अध्ययनों से यह बात स्पष्ट हो गई है कि अलग-अलग तरह की सुगंध अलग-अलग तरह का प्रभाव डालती है। इसलिए हर किसी को यह जानना चाहिए कि उसके मूड का रिमोट आखिर कौन-सा परफ्यूम है और पूरी सजगता के साथ ऐसे परफ्यूम का इस्तेमाल करना चाहिए। अध्ययनों से यह भी साफ हुआ है कि फ्रेगरेंस का रिश्ता हमारी बेहतर नींद से भी है। इसलिए अपने लिए ऐसे परफ्यूम को चुनें, जो आपको बेहतर नींद मुहैया कराए। लब्बोलुआब यह कि अपने परफ्यूम को अपने मूड का रिमोट बनाइए।

जब लगाएं परफ्यूमः अपने लिए परफ्यूम सेलेक्ट और यूज करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें।

- महिलाओं के लिए इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर नियमित परफ्यूम देर तक खुशबू देते हैं। इनमें आमतौर पर 30 प्रतिशत से ज्यादा एसेंशियल ऑयल होता है और ये सुबह से लेकर शाम तक करीब 7-8 घंटे अपनी भीनी-भीनी खुशबू बिखेरते हैं और आप महकते रहते हैं।
- 15 से 22 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल वाले परफ्यूम 3 से 5 घंटे तक खुशबू देते हैं। ऐसे परफ्यूम कलाई और गर्दन पर लगाने चाहिए।
- 8 से 15 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल वाले परफ्यूम स्प्रे में आते हैं और इन्हें भी अकसर आम लोग इस्तेमाल करते हैं।
- 4 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल वाले परफ्यूम को शरीर के हर हिस्से पर लगाया जा सकता है। यह स्पेशल बोतल में आता है और दो घंटे तक इसकी महक बनी रहती है।
- अगर लंबे समय तक परफ्यूम की खुशबू चाहते हैं तो इसे लगाने के लिए उसकी लेयरिंग टोन को कंसीडर करें और उसी महक को अलग-अलग प्रोडक्ट के रूप में इस्तेमाल करें। शावर या बाथ जैल के अलावा इसे बॉडी में लोशन या स्प्रे के साथ नहाने के बाद बाथ स्प्रे के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जब सेंट को परफ्यूम के रूप में इस्तेमाल करें तो इसे नीचे से ऊपर की ओर लगाएं। इससे पूरे शरीर में महक बनी रहती है।
- परफ्यूम को बॉडी प्वाइंट जैसे कोहनियों, बैक, घुटनों, कलाई, गर्दन और वक्ष स्थल में लगाएं, जहां इसकी महक लंबे समय तक रहती है। *

छोटे पर्दे से बड़े पर्दे पर आईं प्राची देसाई का सिक्का ओटीटी पर काफी जम चुका है। इन दिनों वह ओटीटी फिल्म 'साइलेंस : द नाइट आउल बार शूटआउट' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें प्राची का क्या किरदार है? क्या प्राची ने फिल्मों से दूरी बना ली है? करियर से जुड़े अहम सवालों पर प्राची देसाई से खुली बातचीत।

ओटीटी पर मुझे फिल्मों के मुकाबले ज्यादा चैलेंजिंग किरदार मिल रहे हैं : प्राची देसाई

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

ओटीटी की लोकप्रियता को देखते हुए बॉलीवुड और टीवी से जुड़े कई नामी सितारों ने इसकी ओर रुख किया है। इनमें एक और एक्ट्रेस का नाम जुड़ गया है-प्राची देसाई। उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू किया था फिल्म 'साइलेंस' से। प्राची ने तेलुगू भाषा के सुपरस्टार नागा चैतन्य के साथ भी एक वेब शो 'धूता' किया है। इन दिनों वह मनोज बाजपेयी के साथ 'साइलेंसः द नाइट आउल बार शूटआउट' को लेकर चर्चा में हैं। यह वेब सीरीज 16 अप्रैल को जी-5 पर रिलीज होगी। पेश है प्राची देसाई से हुई बातचीत के प्रमुख अंश -

'साइलेंस' के एक सीन में मनोज बाजपेयी के साथ प्राची देसाई

फिल्म के बड़े पर्दे और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम करके क्या फर्क पाती हैं?

मेरी नजर में ओटीटी के लिए शूटिंग करना ज्यादा आसान है। सात-आठ एपिसोड्स की कहानी वाले वेब शो की शूटिंग ज्यादा से ज्यादा एक से डेढ़ महीने में खत्म हो जाती है। फिल्मों में बड़ा ताम-झाम होता है। बल्क में डेट्स ली जाती है। कभी फिल्म की शूटिंग नहीं हो पाई तो पूरा शेड्यूल गड़बड़ा जाता है। मेहनत तो फिल्म और ओटीटी दोनों जगहों पर है ही। वैसे ओटीटी पर मुझे फिल्मों के मुकाबले ज्यादा चैलेंजिंग किरदार मिल रहे हैं।

आपने कुछ वर्ष पहले 'साइलेंस' सीजन-1 भी की थी। इसी फिल्म का दूसरा सीजन करने की क्या खास वजह रहीं, यानी आपने इसे क्यों एक्सेप्ट किया?

2020 के कोरोना लॉक डाउन के दौर में मैंने फिल्म 'साइलेंस' सीजन-1 की थी। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर जॉनर की बहुत दिलचस्प फिल्म है। इस जॉनर की फिल्में आजकल खूब पसंद की जा रही हैं। 'साइलेंस' सीजन 1 की शूटिंग के समय बहुत सारे प्रोटोकॉल निभाने थे। शूटिंग करने की भी इजाजत आसानी से नहीं मिलती थी। इस मुश्किल समय में शूटिंग करना बिल्कुल आसान नहीं था। लेकिन सभी कलाकारों ने मिलजुल कर काम किया। उस अनुभव को, उन दिनों को मैं कभी नहीं भूला सकती। हम बस इंतजार ही कर रहे थे कि कब 'साइलेंस' का दूसरा सीजन बने। जब दूसरे सीजन का ऑफर मिला, इसे एक्सेप्ट करना तो बनता ही था।

क्या इसकी कहानी-किरदार का आकर्षण नहीं था आपके लिए?

ऑफकोर्स था। कलाकार के लिए कहानी और किरदार का आकर्षण ना हो तो वह कलाकार कैसा? फिल्म में अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ काम करना एक बहुत बड़ा आकर्षण किसी भी एक्टर के लिए हो सकता है।

फिल्म में अपने किरदार के बारे में बताएं?

इस फिल्म में मेरा किरदार इन्वेस्टिगेटिव पुलिस ऑफिसर संजना भाटिया का है। मेरा किरदार अंडर कवर्ड है। मस्ती-मजाक में भी पुलिस ऑफिसर संजना भाटिया अपने कर्तव्य को उचित अंजाम देती है।

अपने किरदार के लिए आपने क्या कोई खास तैयारी की थी? इसके लिए निर्देशक की कोई विशेष हिदायत थी?

अमूमन पुलिस अफसर जब किसी हीरो को दिखाया जाता है तब उसमें अकसर कई एक्शन सीन होते हैं, लेकिन निर्देशक अबन भरुचा देवहंस, जो एक सक्षम महिला निर्देशक हैं, उन्होंने मेरे किरदार को थोड़ा लाइट हार्टेड बनाया। सभी पुरुष पुलिस वालों में मैं एक महिला पुलिस ऑफिसर हूं, जो कहानी में हल्के-फुल्के संवाद बोलती है, सभी को हंसाती रहती है। संजना के कारण तनाव भरे माहौल में हल्का-फुल्का माहौल बनता है। हालांकि इसमें छोटे-मोटे एक्शन सीन हैं, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। यह मर्डर मिस्ट्री है। कहानी में सभी कड़ियों को जोड़े रखने में संजना कारगर मालूम होती है। इसलिए एक्शन, स्टंट्स करने वाली यह पुलिस अफसर नहीं है। यह संजना दर्शकों को याद रहेगी।

आप अचानक फिल्मों से गायब हो गईं। अब चार वर्षों बाद ओटीटी पर नजर आ रही हैं? आप फिल्मों से दूर क्यों हुईं?

मैं फिल्मों में नजर नहीं आई, जिसके कई कारण थे। कोरोना काल के लॉक डाउन में मेरी क्या शायद ही किसी अन्य एक्टर की फिल्म रिलीज हुई हो। मैंने जो फिल्में साइन की थीं, उनमें कोई फिल्म शुरू नहीं हो पाई। मैं अपने पैशन के लिए फिल्में करती हूं, यह जरूरी नहीं मेरी हर वर्ष दो-चार फिल्में रिलीज हों। एक वर्ष में बस एक फिल्म रिलीज हो, जिसे करने में मुझे खुशी हो, इतना काफी है मेरे लिए। मैं बहुत चूजी हूं, जो पसंद आए सिर्फ उसे ही एक्सेप्ट करती हूं। ओटीटी पर जो भी प्रोजेक्ट किए, मेरे परफॉर्मेंस की प्रशंसा हुई। ऐसा नहीं है कि मैं बड़े पर्दे से दूर हो गई हूं।

'साइलेंस' सीजन-2 के अलावा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इधर और क्या किया है?

अमेजॉन प्राइम पर 'धूता' रिलीज हुए अभी तीन महीने हुए हैं। इस वेब शो का रिजल्ट काफी उत्साहवर्धक रहा। आठ कड़ियों वाले इस शो का जो फीडबैक मिला, देखकर खुशी हुई। लगा मेरा यह निर्णय सही था कि मैं ओटीटी के नए प्लेटफॉर्म पर खुद को आजमा लूं। विक्रम कुमार इसके निर्देशक हैं, मेरे को-स्टार नागा चैतन्य हैं। मुझे निर्देशक विक्रम कुमार और नागा चैतन्य ने काफी कन्विंस किया कि मैं यह शो कर खुद को आजमाऊं। अगर मेरे लिए यह रिस्क है तो रिस्क लेना सही है। बिना रिस्क, बिना चैलेंज एक एक्टर के रूप में मैं कैसे ग्रो करूंगी? उनके इस तरह समझाने के बाद मैं वेब शो 'धूता' के लिए मान गई। इस वेब शो का यह पहला सीजन है। दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है। *